राजधानी लखनऊ, जौनपुर एवं भदोही से प्रकाशित

R.N.I NO - UPHIN/2002/23967

देश की उपासना

(हिन्दी साप्ताहिक)

www.deshkiupasana.com & www.deshkiupasana.in

वर्ष – 23 | अंक – 32 | लखनऊ, 12 नवम्बर 2025 | पृष्ठ – 08 | मूल्य – 2.00 रूपये

दिल्ली लाल किला पर विस्फोट धमाका करने वालो को बख्शा नहीं जाएगा : अमित शाह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि जांच अधिकारी लाल किले के पास हुए विस्फोट की जांच करते समय सभी विकल्प खुले रख रहे हैं. सोमवार शाम हुए विस्फोट में आठ लोगों की मौत हो गई थी. माना जा रहा है कि लालकिले ब्लास्ट को लेकर कल गृह मंत्रालय में बड़ी मीटिंग हो सकती है. मीटिंग की अध्यक्षता गृह मंत्रह अमित शाह करेंगे. बैठक में सुरक्षा से जुड़े तमाम आला अधिकारियों के मौजूद रहेंगे. अमित शाह ने लोक नायक जय प्रकाश (एलएनजेपी) अस्पताल जाकर घायलों से मुलाकात की. साथ ही वह उस जगह भी गए जहां पर ब्लास्ट हुआ था. शाह ने ब्लास्ट के बाद बताया कि ब्लास्ट शाम करीब सात बजे लाल किले के पास एक ट्रैफिक सिग्नल पर एक हुंडई आई20 कार में हुआ. इससे तीन–चार अन्य वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और पैदल यात्री तथा ऑटोरिक्शा में सवार लोग घायल हो गए. एलएनजेपी अस्पताल में कुछ घायलों से मिलने के बाद उन्होंने कहा कि जांचकर्ता सभी पहलुओं की जांच कर रहे हैं और किसी भी संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता. उन्होंने कहा कि विस्फोट में हुई लोगों की मौत को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता. गृह मंत्री ने कहा कि जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है।

जांच के लिए 500 से ज्यादा अधिकारियों और जवानों की टीम गठित

नई दिल्ली। देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में लाल किला के पास हुए बम धमाके की जांच के लिए 500 से ज्यादा अधिकारियों और जवानों की टीम गठित की गई है। इस टीम में मुख्य रूप से दिल्ली पुलिस, आईबी, एनएसजी, एनआईए सहित अन्य जांच एजेंसियों के अधिकारी शामिल हैं। यह जांच टीम इस हमले से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जांच कर रही है। जांच के तहत यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कोई भी पहलू अनदेखा न रहे। इस जांच टीम में मुख्य रूप से तेजतर्रार अधिकारियों को ही शामिल किया गया, जिससे जांच के दौरान किसी भी प्रकार की विसंगति न रहे। ज्यादा जानें ई–पेपर एक्सेस सोशल मीडिया प्रबंधन विज्ञापन सेवाएँ हिंदी समाचार ऑनलाइन पत्रिका क्षेत्रीय पर्यटन पैकेज बॉलीवुड समाचार संग्रह राजनीतिक विश्लेषण पुस्तकें समाचार ऐप सदस्यता समाचार पत्र सदस्यता की जिम्मेदारी ज्यादा जानें डिजिटल सदस्यता सरकारी योजना जानकारी समाचार अलर्ट प्रमुख समाचार क्षेत्रीय पर्यटन पैकेज स्थानीय समाचार ट्रेंडिंग खबरें समाचार पत्र विशेष रिपोर्ट सोशल मीडिया प्रबंधन सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, इस ब्लास्ट की जांच के लिए 1 हजार से अधिक सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं, ताकि इसके संबंध में किसी भी प्रकार का क्लू मिल सके। लाल किले के पास आई–20 कार में जोरदार धमाका हुआ। इस धमाके की वजह से आसपास के लोग दहल गए।

लोकतंत्र की जन्मस्थली बिहार में मतदाता परिवर्तन के लिए उत्साहित – खरगे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने बिहार के मतदाताओं से अपील की है कि वे मतदान जरूर करें और अपने सगे–संबंधियों, साथियों व पड़ोसियों को भी वोट डालने के लिए प्रोत्साहित करें। कांग्रेस के राष्ट्रीय

अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पोस्ट में लिखा, लोकतंत्र की जन्मस्थली बिहार ने पहले चरण में ये दर्शाया है कि किस तरह बिहार के मतदाता परिवर्तन के लिए उत्साहित हैं। आज दूसरे चरण की वोटिंग में भी आग्रह है कि मतदान जरूर करें और अपने सगे–संबंधियों, साथियों व पड़ोसियों को भी वोट डालने के लिए प्रोत्साहित करें।ष उन्होंने आगे लिखा, षबिहार को आर्थिक विकास, सामाजिक न्याय और समानता से भरपूर श्मॉडलश की जरूरत है। 20 सालों से बिहार ने एक अवसरवादी, भ्रष्टाचार युक्त व गरीब एवं वंचित विरोधी सरकार को झेला है। आज परिवर्तन का समय आ गया है।

डिजिटल, रक्षा और कृषि में बढ़ेगा द्विपक्षीय सहयोग : राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अंगोला दौर पर सोमवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वहां के संसद को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने चुनौतीपूर्ण समय में शांति और विकास को आगे बढ़ाने की बात पर जोर दिया। मुर्मू ने कहा कि आज जब दुनिया में संघर्ष और अनिश्चितता बढ़ रही है, तब इसका सबसे ज्यादा असर ग्लोबल साउथ के देशों पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत और अंगोला मिलकर इस चुनौतीपूर्ण समय में शांति और विकास को आगे बढ़ा सकते हैं। इस दौरान मुर्मू ने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत और अंगोला के बीच व्यापार और आर्थिक सहयोग हमारे रिश्तों का एक मजबूत स्तंभ है। राष्ट्रपति मुर्मू ने आगे कहा कि ऊर्जा क्षेत्र में साझेदारी दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को और मजबूती दे रही है। डिजिटल टेक्नोलॉजी, रक्षा, कृषि और खाद्य प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रों में भारत और अंगोला के बीच सहयोग की बड़ी संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि आगे

हम इन अवसरों का पूरा लाभ उठाकर आर्थिक संबंधों को और गहरा करेंगे। बता दें कि इससे पहले अंगोला की संसद की अध्यक्ष कैरोलीना सेरक्वेरा ने राष्ट्रपति मुर्मू का स्वागत करते हुए कहा कि भारत की राष्ट्रपति की यह यात्रा अंगोला की स्वतंत्रता की 50वीं वर्षगांठ पर द्विपक्षीय संबंधों में एक नया मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा कि भारत की विकास यात्रा अंगोला के लिए प्रेरणादायक है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि भारत और अंगोला दोनों का औपनिवेशिक शासन के खिलाफ संघर्ष और लोकतांत्रिक मूल्य साझा हैं। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, और अंगोला अफ्रीका के सबसे जीवंत लोकतंत्रों में से एक है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के रिश्ते आपसी सम्मान, समानता और पारस्परिक लाभ पर आधारित हैं। साथ ही राष्ट्रपति ने अंगोला की अफ्रीकी संघ की अध्यक्षता और देश में कृषि, ऊर्जा और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में हो रही प्रगति की सराहना की। उन्होंने खुशी जताई कि अंगोला की संसद में 39: महिला सदस्य हैं, जो लैंगिक समानता का उदाहरण है।

बिहार को परिणाम, सम्मान और उन्नति चाहिए, भाषण और जुमले नहीं – तेजस्वी यादव

पटना, (एजेंसी)। महागठबंधन के मुख्यमंत्री उम्मीदवार और राजद नेता तेजस्वी यादव ने बिहार के मतदाताओं के लिए संदेश लिखा है। उन्होंने कहा कि परिवर्तन का शंखनाद हो चुका है और बिहार सिर्फ परिणाम चाहता है। राजद नेता ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, सबसे पहले, हृदय से आपको धन्यवाद देता हूं कि आपने प्रथम चरण में रिकॉर्ड तोड़ मतदान किया और पूरे देश को ये संदेश दिया कि अब भाषण और जुमले नहीं चलेंगे, अब परिवर्तन का शंखनाद हो चुका है और बिहार सिर्फ परिणाम चाहता है। रहा उत्साह तेजस्वी यादव ने अपने संदेश में कहा, षविपक्षियों की हर चाल आप लोगों ने नाकाम की। हमेशा की तरह उन्होंने बिन बात के मुद्दों में आपको उलझाने का प्रयास किया, लेकिन आपने संयमित, संगठित और सारगर्भित ढंग से

जिस तरह पढ़ाई, कमाई, दवाई, सिंचाई और सुनवाई वाली तेजस्वी सरकार को चुना, उसके लिए मैं आजीवन आपका कृतज्ञ रहूंगा। मतदाताओं के नाम संदेश में उन्होंने कहा, ष्आपका और मेरा सपना एक है। आपका और मेरा दर्द एक है, आपका और मेरा लक्ष्य एक है, इसे कोई बिहार के बाहर वाला नहीं समझ सकता। पहले से ही बहुत देर हो चुकी है। बीस साल में हम विकास नहीं कर पाए। बीस साल में सरकार युवाओं को रोजगार नहीं दे पाई। बिहारवासियों को अपराध मुक्त वातावरण नहीं दे पाई। अच्छी शिक्षा, अच्छे अस्पताल, अच्छा इलाज नहीं दे पाई। किसान को बाढ़ से मुक्ति नहीं मिली। व्यापारी को घाटे से मुक्ति नहीं मिली और हर घर को महंगाई से मुक्ति नहीं मिली। किशनगंज में सबसे ज्यादा वोटिंग, मधुबनी में कम उन्होंने कहा कि बिहार के लोगों को जो मिला ।

सरयू से संगम तक की यात्रा में होगा रोजगार और सामाजिक न्याय पर संवाद

लखनऊ, (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी ने 12 नवंबर से 24 नवंबर तक सरयू से संगम तक 180 किलोमीटर की पदयात्रा का एलान किया है। इस पदयात्रा का नाम रोजगार दो, सामाजिक न्याय दो रखा गया है। इसका नेतृत्व राज्यसभा सांसद संजय सिंह करेंगे। इस यात्रा को लेकर सांसद संजय सिंह ने कहा है कि यह यात्रा राजनीतिक रस्म नहीं, जनता के अधिकारों की लड़ाई है। 180 किलोमीटर की यह यात्रा अयोध्या की सरयू से शुरू होकर प्रयागराज के संगम तक जाएगी। रास्ते में गांव, कस्बे, शहर, मोहल्ले–हर जगह जनता से संवाद होगा। यात्रा में युवाओं, किसानों, शिक्षकों, समाजसेवियों और हर वर्ग के लोग शामिल होंगे। इस पदयात्रा का थीम सॉन्ग श्मैं देश बचाने निकला हूंश पहले ही जारी हो चुका है। मशहूर गायक अल्तमश फरीदी ने इसे आवाज दी है। बिलाल भाई ने इसे लिखा है। यात्रा निकाल रही आम आदमी पार्टी का आरोप है कि भाजपा सरकार ने रोजगार के नाम पर बड़े–बड़े वादे किए, लेकिन आज उत्तर प्रदेश बेरोजगारों की सबसे बड़ी राजधानी बन गया है। सरकारी भर्तियां रुकी हैं, परीक्षाएं लटकी हैं, और पेपर लीक ने लाखों युवाओं का भविष्य छीन लिया है। किसान अपनी उपज का दाम पाने के लिए संघर्ष कर रहा है, गन्ना किसानों का भुगतान महीनों लटका रहता है,।

संपादकीय

अस्वीकार्य हथकंडे

यह धारणा बना ली गई है कि हरियाणा में महिलाओं के खिलाफ ज्यादा अपराध होते रहे हैं। लेकिन हाल ही में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि महिलाओं के खिलाफ होने वाले कथित अपराधों से जुड़े झूठे मामलों में भी यह राज्य सबसे ऊपर है। जो कि एक गंभीर विरोधाभास को दर्शाता है। पुलिस आंकड़ों पर नजर डालें तो हरियाणा में महिलाओं के खिलाफ अपराधों की लगभग 45 फीसदी शिकायतें झूठी पायी गई। जबकि गुरुग्राम में 2020 से 2024 के बीच चालीस प्रतिशत से अधिक बलात्कार के मामले जांच के बाद रद्द किए गए। निश्चित रूप से इन आंकड़ों से न केवल कानून प्रवर्तन एजेंसियों बल्कि नागरिक समाज को भी चिंतित होना चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि जब मनगढ़ंत शिकायतें सिस्टम में दर्ज की जाती हैं तो ये न केवल पुलिस का समय बर्बाद करती हैं, बल्कि इसके अलावा भी इसके कई तरह के नकारात्मक परिणाम सामने आते हैं। ये उन वास्तविक पीड़ितों की विश्वसनीयता को भी कमजोर करती हैं जो पहले से ही अपने खिलाफ खड़ी व्यवस्था में अपना मामला साबित करने के लिये संघर्ष कर रहे होते हैं। व्यक्तिगत बदला लेने, जबरन आर्थिक वसूली या ब्लैकमेल के लिये कानूनी प्रावधानों का दुरुपयोग दुर्भाग्यपूर्ण है। जैसा कि हाल ही में गुरुग्राम में एक वकील के नेतृत्व वाले गिरोह से जुड़े मामले में खुलासा हुआ। जाहिर है, इस तरह की करतूतें न्याय प्रक्रिया में जनता के विश्वास को कम ही करती हैं। निस्संदेह, इस सामाजिक विद्रूपता का उत्तर सभी महिलाओं पर अविश्वास करने या उन्हें हिंसा की रिपोर्ट करने से हतोत्साहित करने में नहीं है। हर शिकायत को गंभीरता से लिया ही जाना चाहिए। लेकिन साथ ही जांच पेशवर तरीके से और प्रमाणिक साक्ष्य आधारित होनी चाहिए। इसके अलावा उतना ही महत्वपूर्ण उन लोगों को दंडित करना भी है जो जानबूझकर कानून का दुरुपयोग करते रहे हैं। निश्चित रूप से महिलाओं के अधिकारों की सुरक्षा और न्याय की अखंडता परस्पर विरोधी लक्ष्य नहीं हैं, बल्कि वे पूरी तरह एक–दूसरे पर ही निर्भर भी हैं। लेकिन प्रसंग के आलोक में सबसे बड़ी सामाजिक चिंता यह भी होनी चाहिए कि हरियाणा में लैंगिक संबंध इतने अस्थिर क्यों हो चले हैं कि यहां हिंसा और प्रतिशोध दोनों पनपते हैं? निर्विवाद रूप से शिक्षा, जागरूकता और लैंगिक संवेदनशीलता कमजोर कड़ियां बनी हुई हैं। सच्चा सशक्तीकरण कानूनों के हथियारीकरण से नहीं, बल्कि एक ऐसी संस्कृति से आएगा, जो निष्पक्षता, समानता और आपसी सम्मान को महत्व देती हो। झूठे आरोप न केवल आरोपी को बल्कि मामले की संवेदनशीलता को नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसे में महिलाओं को न्याय सिर्फ सच्चाई या विश्वास की कीमत पर नहीं मिल सकेगा। ऐसे मामलों में समाज के जागरूक लोगों और महिला संगठनों को भी आवाज उठानी चाहिए। साथ ही उन लोगों को न्यायिक प्रक्रिया के जरिये दंडित किया जाना चाहिए, जो कानून की आड़ में निहित स्वार्थों को पूरा करना चाहते हैं।

समय पर न्याय मिलना ही बदलाव की तार्किकता

कामल

निरूसंदेह, जिसके साथ अन्याय हुआ है, जो सही निर्णय प्राप्त करने का अधिकारी है, उसे त्वरित न्याय मिलना चाहिए। यदि आम नागरिक का विश्वास कमजोर पड़ जाता है, तो वह अनुचित तरीके का सहारा लेता है, जो लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत नहीं है। पिछले वर्ष संसद में नए दंड विधान के विधेयक के पारित होने पर कहा गया कि 150 वर्षों से चली आ रही विसंगतिपूर्ण न्यायिक प्रक्रिया का अंत हो गया है। दीवानी मामलों में भी मुकदमों की लंबी अवधि और अभियुक्त की अनिश्चित स्थिति आम बात थी, वहीं फौजदारी मामलों में न्याय प्राप्ति में 30–32 वर्ष तक का समय लग जाता था, जिससे आरोपित व्यक्ति अभियुक्त नहीं माना जाता था। गंभीर आरोप लगने पर भी जब केस की सुनवाई में आरोपित व्यक्ति जमानत पर रिहा हो जाता था, तो उसे लगता था कि वह लगभग फारिग हो गया। राजनीति में देश के लोकतंत्र के ढांचे पर दागी नेताओं का वर्चस्व बढ़ता जा रहा था। इन आरोपित व्यक्तियों की संख्या चुनावों के बाद बढ़ती जाती थी, और गंभीर आरोपों में भी वे पुनः चुनाव लड़कर जीत जाते थे। ऐसे लोग, जिनकी पृष्ठभूमि संदेहास्पद हो, देश के कल्याण या विकास में योगदान कैसे दे सकते हैं? बावजूद इसके, ये नेता चुनावों में नवनिर्माण के बजाय यथास्थितिवाद को कायम रखने में लगे रहे, जिससे देश क्रांति के नारों के बीच भी स्थिरता का शिकार हो गया। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने हाल ही में कहा कि नई दंड संहिता लागू कर हमने न्यायिक व्यवस्था में क्रांति ला दी है, जिससे मुकदमों के निर्णय तिथिबद्ध हो गए हैं। जनता को वर्षों तक न्याय की प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ेगी। अब प्रत्येक व्यक्ति अपने साथ हुए अन्याय का प्रतिकार कर अपराधी को दंडित करवा सकता है और अपनी हानि की क्षतिपूर्ति का हक प्राप्त कर सकता है। नई दंड व्यवस्था के लागू होने से यह उम्मीद जगी है कि जनता को त्वरित न्याय मिलेगा। पिछले वर्ष के आकलन से पता चलता है कि त्वरित न्याय का सपना अभी भी अधूरा है। नई व्यवस्था के तहत गवाहों के मुकरने के रास्ते बंद किए गए और यदि ठोस प्रमाण न हो तो न्याय को लंबित न रखने का निर्देश भी दिया गया। साथ ही, संदेह का लाभ अभियुक्त को देकर बरी करने का प्रावधान भी किया गया। हालांकि, वास्तविकता में न्यायपालिका का चेहरा अभी भी पूरी तरह से नहीं निखरा है। न्याय प्रक्रिया में देरी और लंबित रह जाने की प्रवृत्ति अभी भी कायम है। जहां तक फौजदारी मुकदमों का सवाल है, ये गंभीर अपराधों से जुड़े होते हैं, जैसे दुष्कर्म, हत्या, अपहरण, नाजायज दंगा और फसाद। हालांकि, न्यायालय ने देखा है कि इन फौजदारी मुकदमों

में भी अक्सर पुलिस की उदासीनता, वकीलों का रवैया और भगोड़ों की उपस्थिति के कारण देरी हो जाती है, जिससे मुकदमों का लंबित रहना सामान्य बात हो जाती है। जब मुकदमा दायर होने के बाद सुनवाई में विलंब होता है, तो आरोपितों को जमानत मिलना आसान हो जाता है। जमानत पाने के लिए आरोपी को कुछ आर्थिक गारंटी भी देनी पड़ती है, और सरकार ने यह प्रावधान किया है कि यदि आरोपी गरीब है तो सरकार खुद एक लाख रुपये तक की जमानत भर देगी। लेकिन, सबसे अधिक गड़बड़ी दीवानी मुकदमों में देखने को मिलती है, जहां मुकदमों की सुनवाई और त्वरित निपटान की प्रक्रिया अभी भी पूरी तरह से सशक्त नहीं हो पाई है। दरअसल, नई दंड संहिता लागू होने के बावजूद जनता अभी भी लंबित न्याय के इंतजार में है। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर गहरी नाराजगी जाहिर की है। सुप्रीम कोर्ट ने पाया है कि दीवानी मुकदमों में जिन लोगों को डिक्री मिल गई, उसे लागू करवाने के लिए निष्पादन याचिकाओं पर एग्जीक्यूशन हुक्म नहीं मिल पाते। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि राज्यों के हाईकोर्ट एक प्रक्रिया विकसित करें और लंबित याचिकाओं के प्रभावी एवं शीघ्र निपटारे के लिए जिला न्यायपालिका का मार्गदर्शन करें। निष्पादन याचिकाओं को छह महीनों में निपटा देना चाहिए। उन्होंने पाया कि निष्पादन याचिकाएं तो 3–4 वर्षों तक लंबित रहती हैं। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि अगर न्याय प्रक्रिया त्वरित बनानी है तो इस तौर–तरीके को बदलना पड़ेगा। वस्तुस्थिति यह है कि केवल विधेयक पारित होने से या घोषणा कर देने से ही परिवर्तन नहीं हो जाता। परिवर्तन की नीयत भी होनी चाहिए और उसके प्रति ईमानदार प्रतिबद्धता भी रहनी चाहिए।

निरूसंदेह, जिसके साथ अन्याय हुआ है, जो सही निर्णय प्राप्त करने का अधिकारी है, उसे त्वरित न्याय मिलना चाहिए। यदि आम नागरिक का विश्वास कमजोर पड़ जाता है, तो वह अनुचित तरीके का सहारा लेता है, जो यह उस लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत नहीं है। न्यायपालिका एक मूल स्तम्भ है, जो कहती है कि हर अपराधी को दंड मिलेगा और हर शोषित को न्याय।

'साड्डे पुत्तर' जोहरान ने झंडे गाड़े

दिनेश

रोमांचित करने वाले कुछ घंटों के लिए, आधे भारत ने न्यूयार्क के मेयर पद चुनाव में जोहरान की जीत में किसी अपने का अक्स देखा। उनके माता–पिता भारतीय मूल के हैं व परिवार विविधता की मिसाल। लोकतांत्रिक समाजवाद समर्थक जोहरान की जीत सहमति के उस लुप्त होते विचार का प्रतीक है, जिसने विभाजन के बाद के दशकों में भारत को परिभाषित किए रखा। भारत ने न्यूयॉर्क में जोहरान ममदानी की जीत को 'साड्डे पुत्तर ने झंडे गाड़े' की तरह अपनाया है, मीडिया का जो प्यार अक्सर शाहरुख खान जैसे दिग्गजों के लिए आरक्षित रहता है, वह उसने इस विजय पर उड़ेल दिया। यहां मामला सिर्फ उनकी बेबाक मुस्कान या अंगुलियों से बिरयानी खाते हुए वायरल हुई वीडियो का या बेधड़क होकर वामपंथी राजनीति की हिमायत करने (मसलन,फलस्तीन मुद्दे पर) भर का नहीं है। पिछले 72 घंटों में, गूगल पर 'लोकतांत्रिक समाजवाद' के बारे में सर्च करने वालों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। जाहिर है, यहां यह बात भी मददगार है कि जोहरान के माता–पिता भारतीय मूल के हैं – अमृतसर की लड़की मीरा नायर, जिन्होंने शिमला के तारा हॉल स्कूल में पढ़ाई की हैयउनके पिता, महमूद ममदानी, एक गुजराती खोजा (शिया) मुसलमान हैंदृपूर्वी अफ्रीका के तंगानयिका में जन्मे प्रवासी माता–पिता की संतान हैं और युगांडा के कंपाला में पले–बढ़े। नायर–ममदानी परिवार में अंग्रेजी के अलावा पंजाबी, हिंदीध्उर्दू, गुजराती और स्वाहिली भाषाएं बोली जाती हैं। गत हफ्ते की शुरुआत में न्यूयॉर्क में मंच पर उनकी जीत का जश्न मनाते वक्त ममदानी परिवार की विविधता को देखते हुएदृजहां जोहरान के साथ उनके माता–पिता के अलावा पत्नी रमा दुवैजी (सीरीयाई मूल की इस लड़की का परिचय जोहरान से एक डेटिंग ऐप पर हुआ था) और निकाह एक साल पहले दुबई में हुआ – यदि आपके मन में विचार आए कि कहीं वे युनाइटेड कलर ऑफ बेनेटॉन के विज्ञापन के विषयवस्तु तो नहीं, तो इसके लिए आपको माफ किया जा सकता है! एक पल के लिए, ट्रम्प के पागलपन के बीच, अमेरिका ने खुद को उबार लिया। 'मुझे अपने पस्त, अपने गरीब... आजाद सांस लेने के लिए बेकरार अपने लोग सौंप दो'....स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी की आधारशिला पर अंकित 1883 की एम्मा लाजरस कविता की पहली पंक्तियां यह कहती हैं। एक बहु–रंगी परिवार ने अमेरिका की द्विध्रुवीय श्वेत–अश्वेत राजनीति पर पार पा लिया और उसे अपना बना लिया (यहां यह मददगार रहा कि न्यूयॉर्क की 40 प्रतिशत आबादी आप्रवासियों की है)। इसलिए यह दिलचस्प रहा कि बाकी देश की तरह दो हिस्सों में बंटे भारतीय मीडिया ने गत सप्ताह जोहरान ममदानी की जीत को अपनी विजय बना लिया। यह सिर्फ 'धूम मचा ले...' गाने को लेकर नहीं, हालांकि इससे भी मदद मिली। यह इस तथ्य को लेकर है कि रोमांचित करने वाले कुछ घंटों के लिए सही, भारत के आधे हिस्से ने जोहरान की जीत में किसी अपने का अक्स देखा।

यह वही आधा हिस्सा है जो जवाहरलाल नेहरू के कालजयी भाषण 'नियति से मिलन' की भावना के साथ पला–बढ़ा है, जिसे जोहरान ने अपने भाषण की शुरुआत में उद्धृत किया है। उसका अब भी मानना है कि न्यूयॉर्क की सोचदृ ऊर्जावान एवं जीवंत, अव्यवस्थित एवं प्रामाणिक – अभी भी भारत की सोच हो सकती है, थोड़ा–सा यह और थोड़ा सा वह से बनी, अप्रवासियों का स्वागत करने वाली,जब यह अपने घर में सभी धर्मों, जातियों और पंथों के लोगों को समाहित कर लेती है। दूसरा आधा हिस्सा जोहरान की तीखी आलोचना करने वालों का है क्योंकि वे गुजरात और उसके बाद प्रधानमंत्री मोदी की राजनीति की आलोचना करते हैं, उनका मानना है कि जोहरान हिंदुओं के खिलाफ 'कट्टरता और पक्षपात' को बढ़ावा दे रहे हैं और ये लोग इस्राइल एवं गाजा पर उनके विचारों से पूरी तरह असहमत हैं – ममदानी का मानना है कि इस्राइल गाजा में नरसंहार कर रहा है, जबकि भारत ने पीएम मोदी के शासनकाल में इस्राइल के साथ संबंधों को खूब बढ़ावा दिया है। (विडंबना यह है, और शायद इसीलिए इसे विडंबना कहा जाता है कि जिस दिन न्यूयॉर्क ने ममदानी के लिए मतदान किया, उस रोज इस्राइली विदेश मंत्री गिदिओन साश्आर भारत में थे)। स्वाभाविक था, मोदी सरकार के किसी भी सदस्य ने ममदानी की जीत पर स्वागत या बधाई नहीं दी। जिस दिन न्यूयॉर्क में मतदान हुआ, उस दिन भाजपा की राज्यसभा सांसद और राष्ट्रीय महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष रेखा शर्मा ने एक्स पर दक्षिणपंथी भावना व्यक्त करते हुए कहा : 'इस मामले में मैं श्री ट्रम्प के साथ हूं। भारतीय मूल के लोगो, वोट देते वक्त दो बार सोचिएगा।

संक्षिप्त खबरें

प्राथमिक शिक्षकों की उपस्थिति के लिए हाईकोर्ट के निर्देश में बनी कमेटी

लखनऊ, (संवाददाता)। हाईकोर्ट के निर्देश पर परिषदीय विद्यालयों में शिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित कराने के लिए कमेटी बनाई गई है। इसे शिक्षक डिजिटल अटेंडेंस लागू होने से पहले की तैयारी मान रहे हैं। शिक्षकों ने कहा कि उन्हें डिजिटल अटेंडेंस या अन्य व्यवस्था से कोई परहेज नहीं है। बशर्ते पहले उन्हें सुविधाएं भी दी जाएं। उप्र. बीटीसी शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अनिल यादव ने कहा कि शिक्षकों को ईएल, सीएल, हाफ डे, चिकित्सा सुविधा लागू की जाए ताकि कभी विपरीत परिस्थिति में शिक्षक समय से स्कूल न पहुंचे तो इन छुट्टियों का प्रयोग कर सके। टीईटी अनिवार्यता के विरोध में अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने 11 दिसंबर को दिल्ली के जंतर मंतर पर धरने की घोषणा की है। संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील कुमार पांडेय ने संगठन के पदाधिकारियों को पत्र जारी कर जनसंपर्क करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि 11 दिसंबर तक केंद्र सरकार ने अगर कोई ठोस कदम नहीं उठाया तो जंतर मंतर धरने के बाद फरवरी 2026 में रामलीला मैदान से संसद तक रैली निकाली जाएगी। इसमें पूरे देश के शिक्षक शामिल होंगे।

विद्यार्थियों ने जाना कैसे बनते हैं हथियार

लखनऊ, (संवाददाता)। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रशासन विभाग के विद्यार्थियों ने रविवार को कानपुर स्थित एडवांस्ड वेपंस एंड इक्विपमेंट इंडिया लिमिटेड का शैक्षिक भ्रमण किया। विद्यार्थियों ने समझा कि किस तरह हथियार बनाए जाते हैं। कर्मचारी व अधिकारी काम कैसे करते हैं। छात्रों ने स्मॉल आर्म्स यूनिट और फील्ड गन फैक्ट्री जैसी प्रमुख इकाइयों को भी करीब से देखा। विभागाध्यक्ष प्रो. मुशीर अहमद ने बताया कि इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों के सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक अनुभव से जोड़ना था।

बीबीएयू में 'लीगल ड्राफ्टिंग और एडवोकेसी स्किल' पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

लखनऊ, (संवाददाता)। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लीगल स्टडीज (एसएलएस) के विधि विभाग द्वारा शनिवार को 'लीगल ड्राफ्टिंग और एडवोकेसी स्किल' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य विधि विद्यार्थियों को न्यायिक प्रक्रिया में आवश्यक तकनीकी और व्यावहारिक कौशल से परिचित कराना था।कार्यक्रम में माननीय पूर्व न्यायाधीश मोहम्मद हसन जैदी, इलाहाबाद उच्च न्यायालय लखनऊ खंडपीठ के अधिवक्ता राघवेंद्र प्रताप सिंह और विधि विभाग की विभागाध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक प्रो. सुदर्शन वर्मा मुख्य रूप से उपस्थित रहे।इस दौरान विशेषज्ञ वक्ताओं ने विद्यार्थियों को एडवोकेसी स्किल, सिविल ड्राफ्टिंग, विधिक लेखन तथा साइबर अपराधों से बचाव की बारीकियों से अवगत कराया। उन्होंने न्यायालयीन व्यवहार, तर्क–वितर्क की तकनीक और प्रभावी प्रस्तुति के महत्व पर विस्तार से चर्चा की।

लखनऊ में मिशन शक्ति 5.0 के तहत महिलाओं को किया गया जागरूक

लखनऊ, (संवाददाता)।) महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण के उद्देश्य से चलाए जा रहे मिशन शक्ति 5.0 के तहत पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ की पिंक बूथ 61 टीम द्वारा रविवार को डालीगंज रेलवे स्टेशन परिसर में महिलाओं, छात्राओं, बुजुर्गों और बच्चों को जागरूक किया गया। थाना मदेयगंज की महिला पुलिसकर्मियों ने लोगों को महिला सुरक्षा से संबंधित पुलिस हेल्पलाइन नंबरों, सरकारी योजनाओं, साइबर क्राइम से बचाव और नए कानूनों की जानकारी दी।इस अवसर पर महिला हेड कांस्टेबल ज्योति, महिला कांस्टेबल आंचल सिंह और आशा कुमारी ने उपस्थित जनसमूह को बताया कि पिंक बूथ उत्तर प्रदेश सरकार की एक प्रमुख पहल है, जिसका उद्देश्य हिंसा से प्रभावित महिलाओं को एकीकृत सहायता और सुरक्षा प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि पिंक बूथ घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, यौन शोषण या किसी भी प्रकार की हिंसा का सामना कर रही महिलाओं के लिए एक सुरक्षित आश्रय और सहायता केंद्र के रूप में कार्य करता है। मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत पुलिस आयुक्त अमरेन्द्र कुमार सेंगर के निर्देशन में लखनऊ कमिश्नरेट के 54 थानों पर मिशन शक्ति केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहां महिला शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए विशेष पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है।

उत्तर प्रदेश में शहरी विकास की नई दिशा का उदाहरण बनेगा लखनऊ

लखनऊ, (संवाददाता)। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर की अध्यक्षता में चल रहे नेशनल अर्बन कॉनक्लेव के दूसरे दिन उत्तर प्रदेश के नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा ने राज्य में हो रहे शहरी विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी साझा की। इस अवसर पर भारत सरकार के राज्य मंत्री टोकन साहू और मंत्रालय के सचिव भी उपस्थित रहे। शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री के विकसित भारत विजन में नगरों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि "प्रधानमंत्री जी के विकसित भारत का चेहरा होंगे हमारे नगर," और इसी दिशा में उत्तर प्रदेश ने बीते वर्षों में ऐतिहासिक उपलब्धियाँ हासिल की हैं।शर्मा ने बताया कि शहरी प्रबंधन एक गंभीर विषय है।

योग्यता और सुविधाओं के मानक पर खरे नहीं उतरे अनुदानित मदरसे, 35 से ज्यादा को नोटिस भेजी

लखनऊ, (संवाददाता)। मदरसा नियमावली–2016 के मानकों पर कई अनुदानित मदरसे खरे नहीं उतरे हैं। जांच में कई जिलों के मदरसों में प्रधानाचार्यों और शिक्षकों की योग्यता अपूर्ण पाई गई है। मदरसा बोर्ड ने ऐसे 35 से ज्यादा मदरसों को नोटिस जारी किया है। प्रदेश में 558 अनुदानित मदरसे हैं। इनमें आधारभूत सुविधाओं, छात्र–शिक्षक अनुपात, भवन, शिक्षकों व शिक्षणेतर कर्मचारियों की योग्यता की जांच आदि के लिए एक दिसंबर 2023 को जिला अल्पसंख्यक अधिकारियों को निर्देश दिए गए थे। जिलों से जांच रिपोर्ट मिलने के बाद मदरसा बोर्ड ने मानक पूरा न करने वाले मदरसों और शिक्षकों पर कार्रवाई शुरू की है। बोर्ड की रजिस्ट्रार अंजना सिरोही ने देवरिया, आजमगढ़, मिर्जापुर, गाजीपुर आदि जिलों के 35 से ज्यादा मदरसों को नोटिस भेज कर उन्हें दस्तावेजों के साथ अपना पक्ष रखने के आदेश दिए गए हैं। कॉलेज के प्रधानाचार्य व सात शिक्षकों की शैक्षिक योग्यता अपूर्ण पाई गई। ऐसे ही मदरसा बुखारिया फरीदिया फखनपुर में 3 शिक्षक, दारुल उलूम कादरिया दाएरा शाह अहमद के प्रधानाचार्य व एक शिक्षक, मदरसा दारुल उलम अहले सुन्नत गौसिया मस्तान बाग बारा के प्रधानाचार्य

व 3 शिक्षक और मदरसा जामिया करीमिया करीमपुरा के प्रधानाचार्य, छह शिक्षक व एक लिपिक की शैक्षिक योग्यता अपूर्ण पाई गई है। मिर्जापुर के मदरसा गौसिया इस्लामिया बेगपुर में शिक्षक–छात्र अनुपात मानक के विपरीत मिले। साथ ही मदरसे के प्रधानाचार्य, 4 शिक्षक व एक लिपिक शैक्षिक रूप से अयोग्य पाए गए हैं।

शिक्षक संगठनों ने जांच व कार्रवाई पर उठाए सवाल

ऑल इंडिया टीचर्स एसोसिएशन मदारिसे अरबिया के महासचिव वहीदउल्लाह खान सईदी ने रजिस्ट्रार को पत्र भेज कर मदरसा नियमावली–2016 के मानक से कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि जितने भी मदरसों को पत्र भेज कर शिक्षकों की शैक्षिक योग्यता को अपूर्ण बताया गया है उनमें से ज्यादातर शिक्षकों की नियुक्ति नियमावली–1987 के मानकों पर हुई है। लिहाजा उनकी शैक्षिक योग्यता की जांच तत्कालीन नियमावली से की जाए।

महात्मा गांधी नरेगा से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और बुनियादी ढाँचा दोनों को मिल रहा सशक्त आधार

लखनऊ, (संवाददाता)। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (महात्मा गांधी नरेगा) ग्रामीण परिवारों की आजीविका संवर्धन के साथ–साथ गांवों के सर्वांगीण विकास में अहम भूमिका निभा रही है। इस योजना के माध्यम से हर वित्तीय वर्ष उन ग्रामीण परिवारों को गारंटीकृत रोजगार उपलब्ध कराया जाता है, जिनके वयस्क सदस्य अकुशल श्रम करने के इच्छुक होते हैं।महात्मा गांधी नरेगा केवल रोजगार देने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण ढाँचागत विकास की एक मजबूत आधारशिला बन चुकी है। इस योजना के तहत जल संरक्षण संरचनाओं, ग्रामीण सड़कों, नालियों, चकरोडों और अन्य आवश्यक बुनियादी परिसंपत्तियों के निर्माण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिससे ग्रामीण इलाकों में जीवन स्तर बेहतर हो रहा है।उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के कुशल मार्गदर्शन में ग्राम्य विकास विभाग इस योजना के क्रियान्वयन को प्रभावी ढंग से सुनिश्चित कर रहा है। उन्होंने कहा कि "गांवों की गलियां ग्रामीणों की हाईवे जैसी हैं, इसलिए उन्हें दुरुस्त और स्वच्छ रखना आवश्यक है। योजना के अंतर्गत किए गए कार्य धरातल पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने चाहिए।" उन्होंने निर्देश दिए कि ग्राम पंचायतों में नाली, चकरोड निर्माण, पटरी मरम्मत, इंटरलॉकिंग, सीसी रोड एवं खड़ंजा निर्माण के कार्यों पर विशेष ध्यान दिया जाए ताकि गांव स्वच्छ और सुंदर बने रहें और ग्रामीणों का जीवनस्तर ऊँचा हो।ग्राम्य विकास विभाग के अनुसार, वर्ष 2017–18 से अब तक ग्रामीण संयोजकता के 5,60,474 कार्य पूरे किए जा चुके हैं। वहीं, चालू वित्तीय वर्ष 2025–26 में अब तक 42,060 कार्य पूरे किए गए हैं, जिन पर 44,603.03 लाख रुपये की धनराशि व्यय की गई है।आयुक्त ग्राम्य विकास जी.एस. प्रियदर्शी ने बताया कि ग्रामीण संयोजकता विभाग की शीर्ष प्राथमिकताओं में शामिल है। राज्य सरकार की मंशा, भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय के निर्देशों एवं योजना की गाइडलाइन के अनुरूप, मनरेगा से नाली, चकरोड निर्माण, पटरी मरम्मत, इंटरलॉकिंग, सीसी रोड एवं खड़ंजा निर्माण के कार्य निरंतर कराए जा रहे हैं, जिससे गांवों में आवागमन सुगम हो रहा है और जलभराव जैसी समस्याओं का समाधान भी सुनिश्चित हो रहा है।

वांछित शातिर अपराधी मड़ियांव पुलिस के हत्थे चढ़ा, तमंचा-कारतूस बरामद

लखनऊ, (संवाददाता)। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के थाना मड़ियांव की पुलिस टीम ने रविवार को एक लंबे समय से फरार चल रहे शातिर अपराधी विजय अग्रवाल उर्फ गोलू उर्फ विजय कालिया को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक अवैध देशी तमंचा 315 बोर व दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। आरोपी पर हत्या, डकैती, लूट, गैंगस्टर और एनडीपीएस एक्ट जैसे गंभीर अपराधों के दो दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार अपराधी के खिलाफ अदालत से गैर–जमानती वारंट जारी था और वह काफी समय से पुलिस की पकड़ से बाहर चल रहा था।जानकारी के अनुसार, मड़ियांव थाना पुलिस टीम अपराधों की रोकथाम और वांछित अपराधियों की तलाश में चौकी क्षेत्र केशवनगर में गश्त कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि गौरभीठ स्थित सिद्धेश्वर महादेव मंदिर के पास एक व्यक्ति अवैध हथियार के साथ मौजूद है। सूचना के आधार पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मौके पर पहुंचकर संदिग्ध व्यक्ति को घेराबंदी कर दबोच लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम विजय अग्रवाल उर्फ गोलू उर्फ विजय कालिया पुत्र हंसराज अग्रवाल निवासी सेक्टर सी, अलीगंज थाना विकासनगर लखनऊ, हालपता – ळब्ल्ळ कॉलेज के पास किराए के मकान, चंद्रिका देवी रोड थाना बीकेटी लखनऊ बताया। उसकी उम्र लगभग 42 वर्ष बताई गई है और वह पेशे से चालक है।पुलिस की तलाशी में आरोपी के कब्जे से एक अवैध देशी तमंचा 315 बोर और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। इसके बाद जब पुलिस ने आरोपी के आपराधिक इतिहास की छानबीन की तो यह सामने आया कि उसके खिलाफ हत्या, लूट, डकैती, गैंगस्टर एक्ट, एनडीपीएस एक्ट और आर्म्स एक्ट सहित 20 से अधिक गंभीर मुकदमे दर्ज हैं। इनमें से कई मामलों में वह फरार चल रहा था और न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश न्यायालय सं0–08 लखनऊ द्वारा सत्र परीक्षण सं0–569ध्2004, मुकदमा सं0–549ध्2003 (धारा 302ध्201ध्404 भादवि, थाना मड़ियांव) के संबंध में उसके खिलाफ गैर–जमानती वारंट जारी किया गया था।मड़ियांव पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर उसके विरुद्ध धारा 3ध्25 आर्म्स एक्ट के तहत नया मुकदमा पंजीकृत किया है। गिरफ्तारी और बरामदगी के दौरान पुलिस टीम ने माननीय सर्वोच्च न्यायालय व मानवाधिकार आयोग के दिशा–निर्देशों का अक्षरशः पालन किया। आरोपी को विधिक प्रक्रिया पूरी करते हुए ।

संक्षिप्त खबरें

धागे का कच्चा माल बेचने वाली कंपनी पर 13 लाख की धोखाधड़ी का केस

भदोही, (संवाददाता)। औराई कोतवाली क्षेत्र के जयरामपुर माधोसिंह निवासी माधुरी देवी की तहरीर पर पुलिस ने नयागंज हाथरस स्थित एक फर्म के मालिक पर धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है। महिला का आरोप है कि धागे के लिए 13 लाख रुपये देने के बाद भी कंपनी ने उन्हें खराब कच्चा माल दे दिया। उसे वापस करने के बाद पैसे वापस नहीं दिए जा रहे हैं। पीड़िता माधुरी देवी ने बताया कि वह धागा बनाने की फर्म चलाती हैं। उनका कच्चा माल हाथरस के नयागंज निवासी राजीव कुमार की फर्म से आता है। बताया कि कोरोना काल में मेरी फर्म कुछ दिन के लिए बंद हो गई थी। उन्होंने फिर से उसे चालू किया तो उसी फर्म से कच्चे माल की मांग की। इस पर फर्म ने 13 लाख रुपये एडवांस मांगे। इस पर उन्होंने अपने बैंक खाते से कई मदों में 13 लाख रुपये दे दिए। कुछ दिन के बाद फर्म द्वारा मुझे खराब कच्चा माल भेजा गया। इसकी शिकायत की तो उन लोगों ने माल वापस भेजने की बात कही। इस पर मैंने माल वापस भेज दिया।

ओवरहॉलिंग व पैकिंग के लिए पांच घंटे बंद बंद रहा यातायात

भदोही, (संवाददाता)। वाराणसी–रामबाग रेल खंड के ककराही रेलवे फाटक पर रविवार को ओवरहालिंग व ट्रैक पैचिंग कार्य को लेकर करीब पांच घंटे तक आवागमन बाधित रहा। मिर्जापुर को जोड़ने वाली इस महत्वपूर्ण सड़क पर फाटक पर आवागमन बंद होने से बड़ी संख्या में लोगों को परेशानी से उठानी पड़ी। पैदल और साइकिल आदि वाहन सवार अगल–बगल से निकल गए लेकिन दोपहिया व चारपहिया वाहन चालकों को परेशानी हुई। वाराणसी–रामबाग रेलखंड की मरम्मत का कार्य चल रहा है। ककराही फाटक के पास मरम्मत कार्य दो दिन पूर्व ही होना था लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के वाराणसी आगमन के लिए कार्य स्थगित कर दिया गया। प्रधानमंत्री के दौरे के बाद रविवार को ककराही रेलवे गेट को दोपहर 12 से शाम पांच बजे तक बंद रखा गया। मिर्जापुर के मां विंध्यवासिनी धाम जाने वाला प्रमुख मार्ग होने के कारण यात्रियों और राहगीरों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। गेट के दोनों ओर से आने–जाने वाले वाहनों को लंबा चक्कर लगाकर जाना पड़ा।

जन आरोग्य मेले में लापरवाही पर छह स्वास्थ्यकर्मियों का वेतन रोका

भदोही, (संवाददाता)। सीएमओ डॉ. एसके चक ने रविवार को लालानगर, मानिकपुर स्वास्थ्य केंद्र पर लगे मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का औचक निरीक्षण किया। वहां लापरवाही बरतने पर फार्मासिस्ट, वार्ड बॉय सहित छह स्वास्थ्यकर्मियों का सात दिनों का वेतन रोकने का निर्देश दिया। स्वास्थ्य मेले में 1765 मरीजों का उपचार किया गया। फार्मासिस्ट शिव नारायण सिंह, अनिल कुमार, वार्ड बॉय सुनील सहित कुल छह स्वास्थ्यकर्मियों का वेतन कार्य के प्रति लापरवाही बरतने पर रोका गया। लालानगर पीएचसी पर स्टॉक बुक में 111 दवाएं उपलब्ध मिलीं। केंद्र के बाहर साफ–सफाई दुरुस्त न होने पर सीएमओ ने नाराजगी जाहिर की। इसे लेकर प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. विश्राम मौर्या को फटकार लगाई। यहां होम्योपैथी का स्टॉल नहीं लगा था।

मुमताजपुर के पास देखा गया बाघ, खेत में मिले पगचिह्न

सीतापुर, (संवाददाता)। हरगांव वन रेंज में मुमताजपुर के पास ग्रामीणों ने बाघ देखने का दावा किया है। रविवार को खेत में बाघ के पगचिह्न भी मिले हैं जिससे दहशत का माहौल है। वन विभाग की टीम ने कॉम्बिंग की लेकिन बाघ का सुराग नहीं मिला। पिंजरा लगाए जाने की कवायद भी शुरू कर दी गई है। सोमवार को पिंजरा लगाया जा सकता है। मुमताजपुर निवासी लल्लू ने विगत शुक्रवार को शुभेन्द्र सिंह के खेत में जाते समय बाघ देखा था। लल्लू के मुताबिक डर के मारे वह तुरंत अपने घर लौट गए। इसके बाद शनिवार को बबलू ने गांव के बाहर शीतला मां के मंदिर के पास बाघ देखा। बाघ को रास्ते में देखकर वह घबरा कर शोर मचाते हुए गांव की ओर भाग खड़े हुए। ग्रामीणों का कहना है कि करीब 15 दिन पहले ऐलिया ब्लॉक के अंदौली गांव की एक भैंस पर बाघ ने हमला कर उसे घायल कर दिया था। इसके बाद उसकी मौत हो गई थी। वन दरोगा ओमप्रकाश व मुकेश वर्मा के मुताबिक खेत में पगचिह्न पाए गए हैं।

आठ केंद्रों पर 2,695 ने दी छात्रवृत्ति परीक्षा

सीतापुर, (संवाददाता)। राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित परीक्षा रविवार को जिले के आठ केंद्रों पर हुई। इसमें 376 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। सभी केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गई। इस परीक्षा में परिषदीय विद्यालयों में कक्षा आठ में अध्ययनरत विद्यार्थी शामिल हुए। सफल विद्यार्थियों को 12वीं तक प्रत्येक माह एक हजार रुपये की छात्रवृत्ति दी जाएगी। हालांकि प्रत्येक वर्ष विद्यार्थी को अपने संस्थान से नवीनीकरण कराना होगा।

ड्रोन से सर्वे में पकड़ी गई खनन माफिया की चालाकी, चकमा देने के लिए किया ऐसा कारनामा

आगरा, (संवाददाता)। अवैध खनन के वाहनों का परिवहन रोकने के लिए टास्क फोर्स का गठन किया गया है। ड्रोन से सर्वे भी किया जा रहा है। दो दिन से वाहनों का आवागमन थम गया है। वहीं आशंका यह भी है कि अवैध खनन के वाहनों ने रास्ता बदल लिया है। कुछ वाहन गांव के रास्तों से निकलने की कोशिश करते समय पकड़े गए, पुलिस उन्हें सीज कर रही है। राजस्थान और मध्य प्रदेश से अवैध खनन की बालू, गिट्टी, मिट्टी लेकर डंपर, ट्रक और ट्रैक्टर ट्रॉली अलग–अलग रास्तों से निकलते हैं। इन पर नंबर भी नहीं होता है। इंटर स्टेट ट्रांजिट परमिट भी नहीं होता। कई बार पुलिस के डर से तेज गति से चलाने की वजह से हादसे होते हैं। इन्हें रोकने के लिए पिछले दिनों पुलिस आयुक्त दीपक कुमार ने जिलाधिकारी सहित अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की थी। 10 टास्क फोर्स बनाई गई हैं। वहीं खनन के वाहनों के परिवहन वाले रास्तों पर कैमरों को भी लगाया जा रहा है। ड्रोन से भी सर्वे शुरू करा दिया गया। दो दिन में ड्रोन से देखा गया तो एक भी वाहन मुख्य रास्तों से निकलता नजर नहीं आया। हालांकि खेरागढ़, सैंया, इरादतनगर, शमसाबाद, निबोहरा, पिनाहट आदि थाना क्षेत्रों में कार्रवाई की जा रही है। रविवार को नगर जोन में 40 जगह चेकिंग कर 4 वाहनों के चालान किए गए। 3 ट्रक और 1 डंपर को सीज किया गया। अब तक 105 कैमरों को लगाया गया है। पूर्वी जोन में 42 स्थान पर चेकिंग कर 1 डंपर और 4 ट्रैक्टर–ट्रॉली सीज की गई। 44 कैमरे लगाए गए हैं। वहीं पश्चिमी जोन में 26 स्थान पर चेकिंग कर 20 के चालान किए गए। 18 वाहनों को सीज किया गया। इनमें 9 ट्रक और 9 डंपर शामिल थे। यहां पर 52 कैमरे लगाए गए हैं।

टूटी सड़कों से लोग बेहाल, आगरा नगर निगम का हाल देखें काम कराने के लिए नहीं मिल रहे ठेकेदार

आगरा, (संवाददाता)। गली–मोहल्लों की सड़कों और नालियों को दुरुस्त कराने के लिए 150 से ज्यादा कार्यों के लिए निगम को ठेकेदार नहीं मिल रहे हैं। पांच से नौ लाख रुपये तक के छोटे–छोटे काम न होने की वजह से लोगों को टूटी सड़कों और गंदे पानी के बीच से हर रोज गुजरना पड़ता है। परेशान लोग पार्षदों से लेकर नगर निगम के अधिकारियों के चक्कर काटने को मजबूर हैं। पार्षदों का कहना है कि निगम की निधि से होने वाले कार्यों के भुगतान में देरी होती है, इसीलिए पार्षद रुचि नहीं दिखा रहे हैं। नगर निगम हर साल हाउस टैक्स व अन्य स्रोत से होने वाली आय से शहर में विकास कार्यों को करवाता है। पार्षदों की सिफारिश पर क्षेत्र की गली–मोहल्ले की हॉटमिक्स या सीसी सड़कों व नालियों के निर्माण व इंटरलॉकिंग जैसे कार्यों को निगम निधि से कराया जाता है। इस साल पार्षदों की सिफारिश पर निगम ने सितंबर–अक्तूबर महीने में निगम की निधि से करीब 20 करोड़ रुपये की लागत वाले 250 कार्यों के लिए टेंडर जारी किए। पहली बार में टेंडर प्रक्रिया में कोई ठेकेदार शामिल नहीं हुआ तो निगम ने दोबारा टेंडर निकाला। इसके बाद भी करीब 60 कार्यों के लिए ही आवेदन आए। इसमें भी सिंगल बिड व अन्य तकनीकी कारणों से ज्यादातर टेंडर आवंटित नहीं हो सके। इसके बाद टेंडर निकालने पर भी करीब सौ कार्यों के लिए आवेदन पहुंचे हैं। अभी भी आधे से अधिक कार्यों के लिए ठेकेदारों की तलाश है। विकास कार्यों के लिए यूं तो निगम में ठेकेदारों की कमी नहीं है। बड़े कार्यों के लिए कई बार आठ–दस ठेकेदार भी आवेदन करते हैं, लेकिन निगम की निधि से होने वाले इन कार्यों के भुगतान में देरी सबसे बड़ा रोड़ा है। ठेकेदारों का कहना है कि भुगतान में देरी होने और मुनाफा बेहद कम होने के कारण यह घाटे का सौदा साबित होता है।

बिहार विधानसभा चुनाव में एकतरफा पड़ रहा वोट, राहुल गांधी और कांग्रेस पर अरुण सिंह ने कही ये बड़ी बात

आगरा, (संवाददाता)। बिहार में भाजपा और एनडीए के पक्ष में लहर चल रही है। एकतरफा वोट पार्टी को मिल रहा है। एसआईआर प्रभावी रूप से लागू होना चाहिए। इसकी सभी सराहना कर रहे हैं। बिहार में एसआईआर के बाद जब सबके पास मतदाता सूची गई तो किसी ने विरोध नहीं किया। वास्तविक वोटर सूची में रहने चाहिए। घुसपैठियों को बाहर जाना चाहिए। ये बातें रविवार को भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह ने भाजयुमो के क्षेत्रीय मंत्री गौरव राजावत के आवास पर मीडिया से बात करते हुए कहीं। बाद में वह अवधपुरी स्थित मैरिज होम में आयोजित प्रोफेशनल सम्मेलन में शामिल हुए। उन्होंने व्यापारियों से कहा कि स्वदेशी अपनाएंगे तभी भारत आर्थिक रूप से मजबूत होगा। उन्होंने पत्रकारों के सवालों के जवाब पर कहा कि राहुल गांधी ने कभी हाइड्रोजन तो कभी एटम बम चलाया, लेकिन उनके किसी भी मुद्दे में दम नहीं है। उन्हें जनता गंभीरता से नहीं ले रही है। उनका नकारात्मक स्वभाव बन चुका है। वह जब भी विदेश जाते हैं तो भारत मां को अपमानित करने का काम करते हैं। संवैधानिक संस्थाओं पर भी कटाक्ष करते हैं। उन्हें बदनाम करते हैं। देश की जनता राहुल गांधी और कांग्रेस को नकार चुकी है। इस चुनाव में आरजेडी और कांग्रेस का सूपड़ा साफ होगा। राष्ट्रीय महामंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट जैसी योजनाओं के माध्यम से व्यापारी, युवा और आम जनमानस को स्थानीय उत्पादों से जोड़कर आत्मनिर्भरता की दिशा में सशक्त किया है। देश में ही बनने वाली ब्रह्मोस मिसाइल, हेलिकॉप्टर, सेमी कंडक्टर चिप, मेड इन इंडिया मोबाइल, कोविड वैक्सीन आदि भारत के मजबूत नेतृत्व एवं भारत के सफल इंजीनियरों, वैज्ञानिकों की मेहनत की ही देन हैं। राष्ट्रीय महामंत्री ने शाहगंज स्थित भाजयुमो के क्षेत्रीय मंत्री गौरव राजावत के आवास पर कार्यकर्ताओं से भी बात की। उन्हें पार्टी के अभियानों में सक्रिय रूप से भागीदारी के लिए कहा।

स्वदेशी वस्तुएं अपनाने की दिलाई शपथ

अवधपुरी में कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह, क्षेत्रीय अध्यक्ष दुर्विजय शाक्य, महानगर अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता, प्रमोद गुप्ता, अरुण पाराशर ने पंडित दीन दयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह ने सभी को स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने की शपथ दिलवाई। कार्यक्रम में विधायक पुरुषोत्तम खंडेलवाल, पूर्व सांसद प्रभु दयाल कठेरिया, निर्मला दीक्षित, गौरव राजावत, हेमंत भोजवानी, मनीष गौतम, रोहित कत्याल आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

जनप्रतिनिधि व अधिकारी बोले–पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

बांदा, (संवाददाता)। वाराणसी से चलकर खजुराहो जाने वाली 'वंदे भारत ट्रेन का शुभारंभ वाराणसी से प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री एवं रेल मंत्री ने किया। यह ट्रेन' तीर्थ नगरी चित्रकूट धाम रेलवे स्टेशन शनिवार को पहुंची। जिसको डीएम पुलकित गर्ग, एसपी अरुण कुमार सिंह, पूर्व सांसद आरके सिंह पटेल, भैरों प्रसाद मिश्र, पूर्व राज्य मंत्री चंद्रिका प्रसाद उपाध्याय, भाजपा जिलाध्यक्ष महेंद्र कोटार्य, डीसीबी अध्यक्ष पंकज अग्रवाल, नगर पालिका परिषद कर्वी अध यक्ष नरेन्द्र गुप्ता, प्रधान मुख्य अभियंता रेलवे जेसी चौरसिया, पूर्व प्रदेश उपाध यक्ष रंजना उपाध्याय, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्र प्रकाश खरे आदि लोगों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। वंदे भारत ट्रेन का स्वागत भी किया गया। पूर्व सांसद आरके सिंह पटेल ने कहा कि भगवान राम की तपोस्थली के ऐतिहासिक स्टेशन प्लेटफार्म कर्वी पर वंदे भारत ट्रेन का शुभारंभ हुआ। प्रध ानमंत्री, मुख्यमंत्री एवं रेल मंत्री सहित पूरी टीम को बधाई दी। कहा कि वह आभारी हैं कि इस जनपद तथा बुंदेलखंड के पिछले क्षेत्र पर यह वंदे भारत ट्रेन शुरू कराकर यहां की गति को तेज किया है। यह वंदे भारत ट्रेन बनारस से खजुराहो तक शुरू की गई है जो धार्मिक स्थल काशी विंध्याचल प्रयागराज चित्रकूट होते हुए चंदेल कालीन स्थल तक जाएगी। रेलवे लाइन के दोहरीकरण का कार्य भी चल रहा है। जब पूरा हो जाएगा तो दूसरी वंदे भारत ट्रेन मिलेगी। कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनने जा रहा है। लोगों को जगा कर विकसित भारत के साथ जोड़ा जा रहा है। जिलाधिकारी ने कहा कि बनारस से वंदे भारत ट्रेन का शुभारंभ हुआ है। सौभाग्य की बात यह है कि एक सप्ताह पूर्व वाराणसी से भगवान राम की तपोस्थली चित्रकूट में कार्य करने का मौका मिला। इस वंदे भारत ट्रेन के चलने से तीर्थ नगरी में पर्यटकों को बढ़ावा मिलेगा, क्योंकि ट्रेन तीर्थ नगरी वाराणसी से चलकर खजुराहो तक जाएगी।

बस–बोलेरो हादसा : लखनऊ में इलाज के दौरान ओमकार की मौत

बांदा, (संवाददाता)। कर्वी कोतवाली क्षेत्र के खोह पेट्रोल पंप के पास रोडवेज बस की टक्कर से बोलेरो सवार घायल एक और किशोर की इलाज के दौरान शुक्रवार की रात को लखनऊ के अस्पताल में मौत हो गई। पहले दुर्घटना में चार लोगों की मौत हो चुकी है। अभी भी तीन का इलाज चल रहा है। सभी मृतक एक ही परिवार के थे। मरने वाले में पिता, उसके दो बेटा व एक चचेरा भाई था। कैंप का पुरवा निवासी राजा भैया (35) अपने बेटा मोहित (14), सुभाष (6), पत्नी शोभा देवी (35), उसके भाई अर्जुन प्रसाद का बेटा रोहित (14), बेटी अभिलाषा (15), संध्या (8), बेटा ओमकार (12) के साथ अपनी ससुराल ऐंचवारा साले सुरेंद्र कुमार की बेटी के जन्मदिन की पार्टी में गया था। वहां से लौटते समय खोह के पेट्रोल पंप के पास सामने से आ रही रोडवेज ने टक्कर मार दिया था। सभी को जिला अस्पताल ले जाया गया। वहां डाक्टर ने मोहित, सुभाष व रोहित को मृत घोषित कर दिया था। वहीं अन्य को प्रयागराज रेफर कर दिया था। वहां इलाज के दौरान राजा भैया की भी मौत हो गई थी। इसके बाद चारों को लखनऊ रेफर कर दिया गया था। वहां इलाज के दौरान ओमकार की भी मौत हो गई। परिजन शव लेकर घर आए और जिला अस्पताल लेकर पहुंचे।

नेत्र व स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का ग्रामीणों ने उठाया लाभ

बांदा, (संवाददाता)। विकास पथ सेवा संस्थान के तत्वावधान में पाठा क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालय छेरिहा खुर्द में निःशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट, द हंस फाउंडेशन तथा डाबर इंडिया लिमिटेड के सहयोग से किया गया। जिसमें लगभग ढाई सौ ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण हुआ। संस्थान द्वारा अतिपिछड़े एवं दुर्गम क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के उद्देश्य से यह शिविर लगाया। कार्यक्रम में विशेष सहयोग हंस फाउंडेशन की चिकित्सा टीम, सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट के नेत्र विशेषज्ञों का रहा। शिविर के संयोजक युवा समाजसेवी जगपालक यादव रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निशिकांत राय थाना प्रभारी मारकुंडी रहे। ग्राम पंचायत अधि ाकारी अशुतोष कुमार ने अध्यक्षता की। इस अवसर पर विकास पथ सेवा संस्थान के अध्यक्ष डॉ. प्रभाकर सिंह एवं सभासद शंकर प्रसाद यादव विशेष रूप से उपस्थित रहे। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने नेत्र एवं स्वास्थ्य जाँच कराई। जिन मरीजों में नेत्र रोग एवं मोतियाबिंद के लक्षण पाए गए उन्हें निशुल्क ऑपरेशन के लिए जानकीकुंड अस्पताल भेजा गया। ि

फरियाद सुनते डीएम पुलकित गर्ग, एसपी अरुण कुमार सिंह

बांदा, (संवाददाता)। डीएम पुलकित गर्ग एवं एसपी अरुण कुमार सिंह की मौजूदगी में थाना समाधान दिवस का आयोजन संपन्न हुआ। इस दौरान सात मामले आए। जिसमें मौके पर दो प्रार्थना पत्रों का निस्तारण किया गया। शेष प्रकरणों में संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि प्रत्येक शिकायत का समयसीमा में शासन की मंशानुरूप गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण कराया जाए। उद्योग व्यापार मंडल राजापुर का एक प्रतिनिधि मंडल ने डीएम को पत्र देकर बताया कि कस्बे के व्यस्ततम मार्ग देवी जी तिराहा से तुलसी चौक होते हुए ।

रोजगार मेले में दूसरे दिन पहुचे किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष

सुल्तानपुर, (संवाददाता)। जिले के लंभुआ तहसील क्षेत्र के शिव गढ़ थाना क्षेत्र के गोथूआ जागीपुर गांव में सेवार्थम फाउंडेशन द्वारा आयोजित वृहद रोजगार मेले में दूसरे दिन भाजपा के किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कामेश्वर सिंह मुख्य अतिथि के रूप शामिल हुए। मेले में पहुंचने पर आयोजक डॉ आशीष तिवारी ने उनका मोमेंटो,अंग वस्त्र देकर भव्य स्वागत किया। रोजगार मेले को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने कहा रोजगार मेले का आयोजन करके आशीष तिवारी ने बहुत ही सराहनीय कार्य किया है।आशीष तिवारी का लगातार प्रयास है कि क्षेत्र के नौजवान आत्म निर्भर बने।भारत दुनिया का सबसे बड़ा जनसंख्या का देश है। दुनिया के 40 फीसदी युवा भारत में रहते है।विपक्ष पर हमलावर होते हुए उन्होंने कहा कि यूपी में बसपा के कार्यकाल में 95 हजार व सपा के कार्यकाल में ढाई लाख लोगों को ही रोजगार मिला था जबकि भाजपा की योगी सरकार में अभी तक 07 लाख लोगों को सरकारी नौकरी मिल चुकी है। हमारी सरकार योग्य लोगो को रोजगार देने के लिए संकल्पित है ।पूर्व में सरकारों में सरकारी नौकरियों के लिए जुगाड व पैसा लगता था जबकि हमारी सरकार में केवल परीक्षा शुल्क पर नौकरी मिलती है। उन्होंने आशीष तिवारी द्वारा लगवाए गए रोजगार मेले की सराहना की। साथ ही कई लोगों को नियुक्ति पत्र भी वितरित किया। आशीष तिवारी ने कहा कि रोजगार ही विकास का आधार है जब हर हाथ को काम मिलेगा तभी भारत विकसित होगा। इस मौके पर भाजपा दिल्ली के प्रदेश अध्यक्ष नीरज तिवारी, विधायक अभय सिंह, रमेश मिश्रा, बजरंग दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरज ,पीठाधीश्वर कपाली महराज, काशी तिवारी क्षेत्रीय अध्यक्ष किसान मोर्चा, कामेश्वर पूर्व सांसद प्रवीण निषाद, राजेंद्र टाडा, अरुण जायसवाल जिलाध्यक्ष, राम प्रकाश मिश्रा दधीचि, गुलाब चंद्र द्विवेदी, अमित सिंह, वैभव चतुर्वेदी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

छात्रवृत्ति पाने की ललक, 450 ने दी अतुल माहेश्वरी छात्रवृत्ति परीक्षा

आगरा, (संवाददाता)। परीक्षा में शामिल होने के लिए एत्मादपुर, फतेहाबाद, खेरागढ़, बाह, फतेहपुर सीकरी, खंदौली, बरौली अहीर समेत पूरे जिले से विद्यार्थी आए। प्रवेशपत्र का आधार कार्ड से मिलान करने के बाद विद्यार्थियों को कक्ष में प्रवेश दिया। सुबह 11 बजे से दोपहर 12रू30 बजे तक परीक्षा चली। परीक्षा ओएमआर शीट पर हुई। परीक्षा देने के बाद विद्यार्थियों ने कहा कि छात्रवृत्ति मिलने पर वे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियां कर सकेंगे। सभी ने अमर उजाला फाउंडेशन की पहल की सराहना भी की। परीक्षा के आयोजन में होली पब्लिक स्कूल के चेयरमैन डॉ. संजय तोमर, प्रधानाचार्य ज्ञानेंद्र कुमार और यूनाइटेट टीचर्स एसोसिएशन (यूटा) के प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र सिंह राठौर, मंडल अध्यक्ष केशव दीक्षित, जिलाध्यक्ष केके शर्मा, यादवेंद्र शर्मा, आनंद शर्मा, विजय कुमार, अरुण सिंह, तरुण चाहर, अन्नपूर्णा गुप्ता, आरती जैन, अमित राजौरिया, चंदन मन्ना, गिरीश कुमार, माइटी अबरोल, गौरव लवानियां, अमित कुमार का सहयोग रहा। गढ़ी भदौरिया निवासी आस्था शर्मा ने बताया कि पेपर आसान रहा, करंट अफेयर के प्रश्न अधिक आए थे। अखबार रोजाना पढ़ने की आदत है, इस कारण आसानी से जवाब दे पाया। समय से पहले पेपर हल कर लिया। विवेक धाकरे ने कहा कि पेपर में करंट अफेयर के प्रश्न अधिक आए। पेपर आसान रहा, जिसे करने में कोई परेशानी नहीं आई। पूरी उम्मीद है कि परीक्षा में अच्छे अंकों से उत्तीर्ण हो जाऊंगा। सुहाना का कहना है कि प्रतियोगी परीक्षा के पैटर्न पर ओएमआर शीट पर पेपर हुआ। ओएमआर शीट पर परीक्षा देने का पहला अनुभव रहा। पेपर भी अच्छा हुआ। अच्छे परिणाम की उम्मीद है। एत्मादपुर के शिवेंद्र कुमार ने बताया कि पेपर अच्छा हुआ है और अच्छे अंक आने की पूरी उम्मीद है। छात्रवृत्ति के लिए चयन होता है तो इस धनराशि का उपयोग प्रतियोगी परीक्षा के लिए करूंगा।

ग्राम प्रधान व दीवानी न्यायालय कर्मी समेत 14 पर मुकदमा दर्ज

सुल्तानपुर, (संवाददाता)। देहात कोतवाली क्षेत्र के ग्राम करोमी में वर्तमान प्रधान और पूर्व प्रधान के बीच चली आ रही रंजिश अब तूल पकड़ रही है। 30 अक्टूबर को हुई मारपीट और तोड़फोड़ की घटना में पुलिस ने ग्राम प्रधान, दीवानी न्यायालय के एक कर्मी सहित 14 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। आरोप है कि उक्त लोगों ने महिला पूर्व प्रधान के घर में घुसकर गाली–गलौज की, मारपीट की और संपत्ति को नुकसान पहुँचाया। घटना के बाद पीड़ित पक्ष ने पुलिस को तहरीर दी, जिस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया। बताया जा रहा है कि इस घटना से पहले पूर्व प्रध ान पक्ष के नौ लोगों पर भी इसी प्रकरण को लेकर मुकदमा दर्ज किया गया था।

राजनीतिक लाभ के लिए पालिकाध्यक्ष ने किया गया वैश्य समाज का अपमान

सुल्तानपुर, (संवाददाता)। नगर के प्रमुख वैश्य समाज के पूर्वज 'लाला मकदूम राम' द्वारा प्रधान डाकखाने के सामने स्थापित भव्य मंदिर आज भी ऐतिहासिक धरोहर के रूप में विद्यमान है। मंदिर परिसर के सामने लगे पत्थर पर स्पष्ट अक्षरों में लाला मकदूम राम का नाम अंकित है, जो नगर के इतिहास और कसौधन वैश्य समाज की गौरवगाथा का प्रतीक है। समाज के लोगों का कहना है कि नगर पालिका द्वारा हाल ही में इस क्षेत्र में नई सड़क घोषित की गई है, और उसे सड़क का अलग नाम से नामकरण किया गया है। जिससे उक्त ऐतिहासिक पत्थर और मंदिर के अस्तित्व को खतरा पैदा हो गया है। समाजजनों का आरोप है कि यह निर्णय नगर के वर्तमान चेयरमैन श्री प्रवीन अग्रवाल द्वारा राजनीतिक लाभ हेतु लिया गया है, जबकि राजनीतिक जानकारों का कहना है लाला मकदूम राम वैश्य समाज के कसौधन परिवार से संबंध रखते थे जिनके नाम पर डाकखाना चौराहे से जिला अस्पताल तक सड़क का नामकरण किया गया था जिसका शिलापट आज भी मौजूद है जबकि लगभग 80 प्रतिशत कसौधन समाज ने ही उन्हें तीसरी बार विजयी बनाया था। समाज के लोगों ने इस कदम को अपने समुदाय के प्रति 'अपमान' बताया है और प्रशासन से मांग की है कि मंदिर और पत्थर को सुरक्षित रखा जाए तथा सड़क निर्माण और नामकरण की दिशा पर पुनर्विचार किया जाए।

सिगरेट और शराब से ज्यादा खतरनाक ये 4 फूड्स

जब भी फेफड़ों के कैंसरकी बात होती है, तो सबसे पहले दिमाग में यहीं आता है कि इसकी वजह सिगरेट और शराब ही हैं लेकिन हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि खाना भी कैंसर का एक बड़ा कारण बनता है। हमारी थाली में मौजूद कुछ फूड्स शरीर में सूजन, ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और हानिकारक केमिकल्स पैदा करते हैं, जो धीरे–धीरे कोशिकाओं को डैमेज कर कैंसर का खतरा बढ़ाते हैं यानि अगर आप स्मोकिंग और अल्कोहल से बच भी रहे हैं तो भी गलत खानपान आपको लंग कैंसर के खतरे में डाल सकता है।

लंग कैंसर का खतरा बढ़ाने वाले फूड्स

डीप फ्राइड फूड्स (पकोड़े, तला हुआ चिकन) बहुत ऊंचे तापमान पर तलने से Acrylamide नामक हानिकारक केमिकल बनता है। यह केमिकल कैंसर पैदा करने वाले तत्वों को सक्रिय करता है। बार–बार डीप फ्राइड स्नैक्स खाने से लंग कैंसर का रिस्क बढ़ जाता है।

प्रोसेस्ड मीट

इनमें नाइट्रेट्स और नाइट्राइट पाए जाते हैं। पकाने के दौरान ये तत्व कैंसरकारी बन जाते हैं। रिसर्च के मुताबिक, प्रोसेस्ड मीट खाने वालों में लंग और कोलोन कैंसर का खतरा ज्यादा पाया गया है।

रेड मीट (बीफ, पोर्क, लैम्ब)

बार–बार रेड मीट खाने से खतरा बढ़ता है। खासकर चारकोल या ग्रिल पर पकाने पर इसमें जैसे केमिकल्स बनते हैं। ये सीधे डीएनए और कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं।

ज्यादा नमक और अचार वाली चीजें

बहुत ज्यादा नमकीन और अचार वाली चीजों में Nitrosamines बनते हैं। ये टिश्यू को डैमेज करते हैं और पेट से लेकर फेफड़ों तक कैंसर का खतरा बढ़ाते हैं। खासकर रोजाना खाने में ज्यादा नमक लेने वालों को सावध ान रहना चाहिए।

शुगर और सॉफ्ट ड्रिंक्स

ज्यादा शुगर लेने से शरीर में क्रोनिक इंफ्लेमेशन और हार्मोनल असंतुलन होता है। ये बदलाव कैंसर कोशिकाओं को बढ़ावा देते हैं। सॉफ्ट ड्रिंक्स और ज्यादा मीठी चीजें लंग कैंसर के अलावा मोटापा, डायबिटीज और हार्ट डिजीज का भी रिस्क बढ़ाती हैं।

क्यों जरूरी है सतर्क रहना?

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन (WHO) और अमेरिकन कैंसर सोसाइटी दोनों मानते हैं कि 30–35ः कैंसर, गलत खानपान और लाइफस्टाइल की वजह से होते हैं। सिर्फ स्मोकिंग और अल्कोहल नहीं, बल्कि डेली डाइट में मौजूद फूड्स भी लंग कैंसर का कारण बन सकते हैं। ताजे फल और सब्जियां ज्यादा खाएं। ओमेगा–3 युक्त फूड (फ्लैक्ससीड, अखरोट, फिश) डाइट में शामिल करें। रेड मीट और प्रोसेस्ड मीट का सेवन कम से कम करें। डीप फ्राइड और पैकेज्ड स्नैक्स से दूरी बनाएं। शुगर और सॉफ्ट ड्रिंक की जगह नारियल पानी, छाछ या हर्बल टी लें। याद रखें, आपकी थाली ही आपकी दवा है। सही खानपान से आप न सिर्फ लंग कैंसर बल्कि कई गंभीर बीमारियों से बच सकते हैं।

शुरू होने वाली है सर्दियां, बच्चों को ना पहनाएं जरूरत से ज्यादा कपड़े

सर्दियों में बच्चों को ठंड से बचाने के लिए सबसे जरूरी है उन्हें सही तरीके से लेयरिंग करके कपड़े पहनाना। यह तरीका न सिर्फ उन्हें गर्म रखता है बल्कि आरामदायक भी महसूस कराता है। ध्यान रखें कि बच्चे को ज्ध्यादा कपड़े पहनाना और कम कपड़े पहनाना दोनों ही नुकसानदायक साबित होता है। इसलिए ध्यान रखना चाहिए कि बच्च्चे की कवरिंग कम भी ना हो और ज्ध्यादा भी ना हो, आइए जानते हैं कि बच्चों को सर्दी में कैसे तैयार करें

बेस लेयर

यह सबसे अंदर की परत होती है जो शरीर से सीधे संपर्क में रहती है। इसे हल्के, मुलायम और कॉटन या थर्मल फैब्रिक से चुनें। यह पसीना सोख लेती है और शरीर को सूखा रखती है। उदाहरण के लिए थर्मल टी–शर्ट या फुल–स्लीव बनियान।

मिड लेयर

यह परत गर्मी को बनाए रखने का काम करती है। इसमें स्वेटर, फ्लीस जैकेट या ऊनी पुलोवर शामिल करें। ध्यान रखें कि कपड़ा बहुत भारी न हो, ताकि बच्चा आसानी से हिल–डुल सके।

आउटर लेयर

यह बाहरी परत हवा और पानी से बचाव करती है। वॉटरप्रूफ जैकेट, विंडचीटर या पफर जैकेट सबसे बेहतर हैं। अगर बारिश या बर्फ पड़ती है तो यह लेयर बच्चे को पूरी तरह सुरक्षित रखती है।

एक्स्ट्रा एक्सेसरीज

टोपी– सिर और कानों को ढकने के लिए ऊनी टोपी जरूर पहनाएं।

दस्ताने – हाथों को गर्म रखें।

मोजे– ऊनी या थर्मल मोजे पहनाएं ताकि पैर ठंडे न हों।

स्कार्फ – गले को ढकने के लिए हल्का स्कार्फ या मफलर लगाएं।

ध्यान रखने योग्य बातें

बच्चे को ज्यादा लेयर में मत लपेटें, ताकि उसे घुटन न हो। अगर बच्चा पसीना महसूस करे या चेहरा लाल हो जाए तो एक लेयर कम कर दें। घर के अंदर आने पर भारी जैकेट या टोपी उतार दें ताकि शरीर का तापमान सामान्य रहे। सर्दियों में बच्चों को कपड़े पहनाते समय गर्मी और आराम दोनों का संतुलन बनाए रखना जरूरी है।

गणेश का रूप मानकर लोग झुकाते रहे सिर, लेकिन केजीएमयू के डॉक्टरों ने दी बच्चे को नई जिंदगी

अंधविश्वास और विज्ञान की लड़ाई में एक 14 साल के बच्चे की कहानी ने इंसानियत को झकझोर दिया। कुशीनगर के गणेश नाम के इस बच्चे को गांव वाले भगवान गणेश का अवतार मानकर पूजा करते थे, क्योंकि उसकी नाक पर एक बड़ा उभार था। लेकिन यह उभार किसी चमत्कार का नहीं, बल्कि एक दुर्लभ जन्मजात बीमारी का परिणाम था। जब तक परिवार को यह सच्चाई समझ आई, तब तक 12 साल बीत चुके थे। अंततः लखनऊ के केजीएमयू के डॉक्टरों ने इस बच्चे की सफल सर्जरी कर उसे नई जिंदगी दी।

अंधविश्वास की छाया में बचपन

कुशीनगर जिले के एक छोटे से गांव में गणेश नाम के इस बच्चे का जन्म हुआ तो उसकी नाक पर एक बड़ा उभार था। गांव वालों ने इसे भगवान गणेश का आशीर्वाद माना और पूजा शुरू कर दी। परिवार वालों ने भी इलाज करवाने की जगह बच्चे को "दैविक रूप" मान लिया। धीरे–धीरे समय के साथ यह उभार बढ़ता गया और गणेश का चेहरा विकृत होने लगा। स्कूल में बच्चे उसका मजाक उड़ाते, जिससे वह मानसिक रूप से भी परेशान रहने लगा। लेकिन परिवार ने इलाज करवाने की हिम्मत नहीं दिखाई, क्योंकि उन्हें डर था कि कहीं वे "भगवान" का अपमान न कर दें।

डॉक्टरों ने बताया यह है 'नासोएथमॉइडल एन्सेफेलोसील'

आखघ्रिकार एक परिचित की सलाह पर गणेश के पिता उसे किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ लेकर आए। यहां जांच और सीटी स्कैन के बाद डॉक्टरों ने बताया कि बच्चे को नासोएथमॉइडल एन्सेफेलोसील नामक एक दुर्लभ जन्मजात विकार है। इसमें मस्तिष्क का कुछ हिस्सा खोपड़ी की हड्डी में बने छेद से बाहर आ जाता है, जिससे नाक और माथे के बीच की हड्डियां चौड़ी हो जाती हैं। इस स्थिति को हाइपरटेलोरिज्म कहा जाता है।

डॉक्टरों ने किया आठ घंटे लंबा जटिल ऑपरेशन

प्लास्टिक सर्जरी और न्यूरोसर्जरी विभाग की संयुक्त टीम ने गणेश का ऑपरेशन किया। यह सर्जरी लगभग आठ घंटे तक चली।

ऑपरेशन के दौरान

न्यूरोसर्जरी टीम ने खोपड़ी के अंदर की संरचनाओं को सुरक्षित रखते हुए दोष की मरम्मत की। फिर प्लास्टिक सर्जरी टीम ने माथे की हड्डी का एक हिस्सा निकालकर नाक के उभरे हिस्से को हटाया। चेहरे की हड्डियों को नया आकार देकर नाक को सामान्य रूप दिया गया। डॉक्टरों के अनुसार, दीपावली से ठीक पहले गणेश का चेहरा सामान्य हो गया और अब वह नई जिंदगी जी रहा है।

आयुष्मान योजना के तहत निःशुल्क हुआ इलाज

डॉ. ने बताया कि गणेश का पूरा इलाज आयुष्मान भारत योजना के तहत बिल्कुल निःशुल्क किया गया। उन्होंने बताया, "ऐसी सर्जरी छोटे अस्पतालों में संभव नहीं होती। बड़े अस्पतालों में इसका खर्च लगभग 8 लाख रुपये तक होता है।" गणेश के इलाज का एक चरण अभी बाकी है करीब 5–6 महीने बाद उसकी नाक को अंतिम आकार देने के लिए एक और सर्जरी की जाएगी।

परिवार बोला "हमारे लिए असली भगवान तो डॉक्टर हैं"

ऑपरेशन के बाद गणेश के परिवार ने भावुक होकर कहा, "हमने अपने बेटे को भगवान माना था, लेकिन असली भगवान तो ये डॉक्टर हैं जिन्होंने हमारे बेटे को नई जिंदगी दी।"

मर जाएगा, पिट जाएगा, रो देगा युवराज ने बताई अभिषेक की एक मजेदार आदत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने अपने शिष्य और युवा ओपनर अभिषेक शर्मा से जुड़ा एक बेहद मजेदार राज खोला है। अभिषेक शर्मा ने हाल ही में टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इतिहास रचते हुए सबसे तेज 1,000 रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने ये उपलब्धि

ा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ब्रिसबेन में खेले गए पांचवें टी20 में हासिल की, वह भी सिर्फ 528 गेंदों में। युवराज सिंह ने हंसते हुए खुलासा किया कि अभिषेक भले ही हर चीज में उदार हैं, लेकिन अपने बैट्स को लेकर बेहद पजेसिव हैं। युवराज ने कहा, श्अभिषेक शर्मा से आप कुछ भी ले सकते हैं, लेकिन उसका बल्ला नहीं! ये मर जाएगा, पिट जाएगा, रो देगा, पर अपना बैट नहीं देगा।श उन्होंने आगे मजाकिया लहजे में जोड़ा, श्भले ही उसके पास दस बल्ले हों, फिर भी बोलेगा मेरे पास तो बस दो बल्ले हैं। उसने मेरे सारे बैट ले लिए, लेकिन अपने किसी को नहीं देता। इस बयान से वहां मौजूद अभिषेक खुद मुस्कुरा उठे। अभिषेक शर्मा अपने शुरुआती क्रिकेट करियर में युवराज सिंह के मार्गदर्शन में ट्रेनिंग कर चुके हैं। युवराज कई बार मैचों में स्टैंड से उन्हें प्रोत्साहित करते भी दिखे हैं। युवराज का कहना है कि अभिषेक में पुराने जमाने की मेहनत और नई पीढ़ी का आत्मविश्वास दोनों झलकते हैं।

सीएसके का हिस्सा बन सकते हैं सैमसन, नई जर्सी में दिखेंगे जडेजा और करन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आईपीएल 2026 से पहले एक बड़ा ट्रेड देखने को मिल सकता है। राजस्थान रॉयल्स (आरआर) अपने कप्तान संजू सैमसन को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के दो स्टार ऑलराउंडर्स रवींद्र जडेजा और सैम करन के बदले ट्रेड कर सकती है। संजू सैमसन पिछले 11 वर्षों से राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा रहे हैं और 2021 से टीम की कप्तानी संभाल रहे हैं। लेकिन आईपीएल 2025 के समापन के बाद उन्होंने संकेत दिए थे कि वे

टीम बदलना चाहते हैं। वहीं, एक वरिष्ठ सीएसके अधिकारी ने पीटीआई से बातचीत में पुष्टि की कि फ्रेंचाइजी संजू सैमसन को टीम में शामिल करने में दिलचस्पी रखती है। अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर कहा, सभी को पता है कि हम संजू को अपनी टीम में चाहते हैं। हमने इस ट्रेडिंग विंडो में अपनी रुचि जताई है। राजस्थान की मैनेजमेंट फिलहाल विकल्पों पर विचार कर रही है,

दिल्ली की जहरीली हवा से गोवा की ताजगी, रोड्स का पोस्ट वायरल, इंटरनेट पर छिड़ी बहस

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर और महान फील्डर जोंटी रोड्स ने एक बार फिर भारत में प्रदूषण के स्तर को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। जैसे ही सर्दियां शुरू हुईं, दिल्ली की हवा एक बार फिर श्गंभीर श्रेणीश में पहुंच गई। इसी बीच रोड्स का सोशल मीडिया पोस्ट चर्चा में आ गया। रविवार को दिल्ली के कई इलाकों में एक्यूआई (एयर क्वालिटी इंडेक्स) 400 के पार चला गया। इस भयंकर प्रदूषण के बीच रोड्स ने सोशल मीडिया पर दो तस्वीरें साझा कीं। एक दिल्ली की ध्ुंधली हवा और दूसरी गोवा का साफ आसमान। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, आज शाम रांची जाते हुए दिल्ली से गुजरना पड़ा। हर बार की तरह यहां की खराब हवा को देखकर मन उदास हो जाता है। शुक्र है कि मैं गोवा के एक छोटे मछुआरे गांव में रहता हूं।श उन्होंने आगे लिखा, (रुरु।फ्प् र्ङ्गूंजे2ठकवदम) यानी, हैश टैग एक्यूआई..अब इस पर क्या किया जा सकता है? जोंटी रोड्स ने अपनी दूसरी पोस्ट में गोवा की एक तस्वीर शेयर की, जिसमें उनके बच्चे फुटबॉल खेलते नजर आ रहे थे। उन्होंने लिखा, श्ये है मेरे घर का सूर्यास्त और हां, वे मेरे बच्चे हैं जो मैदान में फुटबॉल खेल रहे हैं! दिल्ली में डॉक्टर सलाह देते हैं कि बच्चे बाहर न निकलें।श इस तुलना ने सोशल मीडिया पर बहस छेड़ दी। लोगों ने सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए, वहीं कुछ यूजर्स ने रोड्स की

ईमानदारी की सराहना की। इस बीच, कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट (ब्।फड) ने कहा कि दिल्ली–एनसीआर में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ळत्।च्) का तीसरा चरण लागू करने की जरूरत नहीं है। सीएक्यूएम के मुताबिक, दिल्ली का औसत एक्यूआई रविवार शाम चार बजे 370 और पांच बजे 365 दर्ज किया गया, जो श्सीवियरश से श्वेरी पूअरश श्रेणी में आने लगा है। उन्होंने कहा कि आईएमडी और आईआईटीएम के पूर्वानुमान बताते हैं कि आने वाले दिनों में हवा की गुणवत्ता में थोड़ा सुध्ाार हो सकता है, इसलिए फिलहाल ग्रैप का स्टेज–3 लागू नहीं किया जाएगा। जोंटी रोड्स के पोस्ट ने कुछ ही घंटों में लाखों व्यूज और हजारों प्रतिक्रियाएं हासिल कर लीं। भारतीय यूजर्स ने उन्हें भारत का असली मेहमान कहते हुए धन्यवाद दिया, जो समस्याओं को खुले रूप में सामने लाते हैं। कई यूजर्स ने यह भी कहा कि जब विदेशी नागरिक दिल्ली की हवा पर बोलते हैं, तब सरकार को ज्यादा गंभीरता से कार्रवाई करनी चाहिए। जोंटी रोड्स की दोनों तस्वीरें भारत की दो सच्चाइयों को उजागर करती हैं। एक तरफ दिल्ली की घुटन भरी हवा, जहां लोग मास्क और एयर प्यूरिफायर के सहारे हैं। दूसरी तरफ गोवा की ताजा, नम समुद्री हवा, जहां बच्चे आजादी से खेल सकते हैं। इन दोनों दृश्यों ने देश के प्रदूषण संकट पर फिर से ध्यान खींचा है। जोंटी रोड्स का पोस्ट सिर्फ एक तुलना नहीं, बल्कि दिल्ली जैसे महानगरों के लिए चेतावनी है। अगर अब भी ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए साफ हवा सपना बन जाएगी। उनकी एक लाइन, श्व्हाट्स टू भी डनश अब पूरे देश के लिए सवाल बन चुकी है।

अब रुक जाओ, प्रयोग बंद करो और विश्व कप पर फोकस करो

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज 2–1 से अपने नाम की, लेकिन इस सीरीज के दौरान टीम इंडिया ने काफी प्रयोग किए। अर्शदीप सिंह को शुरुआती मैचों में मौका नहीं मिला, लेकिन जब वे टीम में लौटे तो गेंदबाजी आक्रमण और प्रभावी दिखा। वहीं, मेलबर्न में एक खराब प्रदर्शन के बाद संजू सैमसन को बाहर कर विकेटकीपर के तौर पर जितेश शर्मा को मौका दिया गया। कुलदीप यादव को सीरीज के बीच ही टीम से रिलीज कर दिया गया ताकि वे दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ दूसरे अनौपचारिक टेस्ट में हिस्सा लेकर टेस्ट सीरीज की तैयारी कर सकें, जो 14 नवंबर से शुरू होनी है। टीम प्रबंधन इन प्रयोगों को सही ठहरा रहा है क्योंकि अगले साल भारत और श्रीलंका में टी20 विश्व कप होना है। ऐसे में सभी खिलाड़ियों को मौका देकर सर्वश्रेष्ठ संयोजन तलाशने की कोशिश की जा रही है। हालांकि, पूर्व भारतीय बल्लेबाज और क्रिकेट विश्लेषक आकाश चोपड़ा का मानना है कि अब इन प्रयोगों का दौर खत्म होना चाहिए। उन्होंने कहा कि दिसंबर में होने वाली भारत–दक्षिण अफ्रीका टी20 सीरीज से टीम को अपने सबसे मजबूत संयोजन के साथ उतरना चाहिए। आकाश चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चौनल पर कहा, श्यह प्रयोगों का दौर रहा है। अब उम्मीद है कि ये प्रयोग बंद होंगे। टीम खुद कह चुकी है कि वे किसी को भी ऊपर–नीचे भेज सकते हैं, किसी को भी बाहर या अंदर कर सकते हैं। जब टीम ये बात मानती है तो आप मान लेते हैं कि वे प्रयोग कर रहे हैं।श उन्होंने आगे कहा, श्लेकिन अब जब आपके पास साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच–पांच मैचों की सीरीज है, तो मेरा मानना है कि अब प्रयोगों का समय खत्म हो चुका है। अब टीम को उसी संयोजन के साथ खेलना चाहिए ।

राजस्थान रॉयल्स ने संजू सैमसन के ट्रेड पर बदला रुख, अब जडेजा के साथ एक और खिलाड़ी की मांग

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आईपीएल 2026 की तैयारियों के बीच राजस्थान रॉयल्स (त्त्) और चेन्नई सुपर किंग्स (ब्ैज्ञ) के बीच संभावित बड़े ट्रेड की चर्चा ने क्रिकेट जगत में हलचल मचा दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, राजस्थान रॉयल्स अपने कप्तान संजू सैमसन को ट्रेड करने के लिए तैयार हैं, लेकिन अब टीम ने इस सौदे की शर्तें बदल दी हैं। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, राजस्थान रॉयल्स ने रवींद्र जडेजा का नाम ट्रेड में फाइनल कर दिया है। हालांकि, दूसरे खिलाड़ी को लेकर दोनों टीमों के बीच अब भी सहमति नहीं बन पाई है। जहां राजस्थान रॉयल्स ने मथीशा पथिराना को ट्रेड में शामिल करने की मांग की है, वहीं चेन्नई सुपर किंग्स इस प्रस्ताव से सहमत नहीं है। सीएसके की ओर से यह भी कहा गया है कि पथिराना टीम की भविष्य की योजनाओं में अहम भूमिका निभा रहे हैं और वे उन्हें छोड़ना नहीं चाहते। जानकारी के मुताबिक, जब राजस्थान रॉयल्स ने जडेजा के साथ एक और खिलाड़ी की मांग की, तो सीएसके ने इंग्लैंड के ऑलराउंडर सैम करन का नाम पेश किया। हालांकि, आरआर का रुख साफ था। उन्हें करन नहीं, बल्कि पथिराना चाहिए। इस मसले पर एमएस धोनी, कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ और मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग के बीच लंबी चर्चा हुई। इसके बाद ही सीएसके ने जडेजा को शामिल करने की सहमति दी, वो भी खिलाड़ी की खुद की मंजूरी मिलने के बाद।

जडेजा की वापसी की संभावना

गौरतलब है कि रवींद्र जडेजा आईपीएल के शुरुआती दो सीजन में राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा रह चुके हैं। हालांकि, बाद में वे चेन्नई सुपर किंग्स के साथ लंबे समय से जुड़े हुए हैं और टीम के मुख्य स्तंभ बन गए हैं। उन्होंने 2022 सीजन से पहले कुछ समय के लिए कप्तानी की जिम्मेदारी भी संभाली थी। अगर यह ट्रेड पूरा होता है, ।

लॉस एंजिलिस ओलंपिक में नहीं दिखेगा भारत–पाकिस्तान मुकाबला

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला हमेशा रोमांच से भरा होता है, चाहे वह एशिया कप हो या आईसीसी टूर्नामेंट। हालांकि, 2028 के लॉस एंजिलिस ओलंपिक में क्रिकेट के संभावित मुकाबले में यह रोमांचक भिड़ंत शायद देखने को न मिले। इसकी वजह है आईसीसी द्वारा तय किया गया नया क्वालिफिकेशन नियम, जिसके तहत पाकिस्तान की ओलंपिक में जगह लगभग मुश्किल हो गई है। आईसीसी ने दुबई में हुई अपनी हालिया बोर्ड मीटिंग में स्पष्ट किया कि पुरुष और महिला दोनों वर्गों में केवल छह–छह टीमें हिस्सा लेंगी। यह चयन आईसीसी टी20 रैंकिंग के आधार पर नहीं होगा, बल्कि प्रत्येक महाद्वीप (एशिया, यूरोप, अफ्रीका, ओशिनिया आदि) से एक–एक टीम चुनी जाएगी। छठी टीम ग्लोबल क्वालिफायर के जरिए तय होगी। इस नियम के तहत एशिया से सिर्फ एक टीम को सीधा स्थान मिलेगा और मौजूदा हालात में वह टीम भारत होगी, जो इस समय टी20 रैंकिंग में नंबर एक पर है। ऐसे में पाकिस्तान को ओलंपिक में शामिल होने के लिए या तो ग्लोबल क्वालिफायर जीतना होगा या आईसीसी को एशिया से दो टीमों को अनुमति देनी होगी। आईसीसी ने कहा है कि ओलंपिक 2028 में कुल 28 मैच खेले जाएंगे, जो 12 जुलाई से शुरू होंगे। यह पहली बार होगा जब क्रिकेट इतने बड़े बहु–खेल आयोजन का हिस्सा बनेगा। पाकिस्तान, जो कभी टी20 की सबसे मजबूत टीमों में गिनी जाती थी, फिलहाल न तो शीर्ष तीन में है और न ही महाद्वीपीय प्रतिनिधित्व के लिए पसंदीदा मानी जा रही है। ऐसे में ओलंपिक में उसकी एंट्री केवल किसी ग्लोबल क्वालिफायर में शानदार प्रदर्शन पर निर्भर करेगी।

ट्रंप से मिलेंगे सीरियाई राष्ट्रपति अहमद अल-शरा, 1946 के बाद पहली बार किसी सीरियाई नेता की एंट्री

वॉशिंगटन, (एजेंसी)। सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शरा आज यानी सोमवार को व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से ऐतिहासिक मुलाकात करेंगे। यह मुलाकात इसलिए खास मानी जा रही है क्योंकि 1946 में सीरिया की आजादी के बाद यह पहला मौका होगा जब कोई सीरियाई नेता व्हाइट हाउस पहुंचेगा। अहमद अल-शरा, जिन्होंने पिछले साल लंबे समय से सत्ता में रहे बशर अल-असद को सत्ता से बेदखल किया था, कुछ ही दिन पहले अमेरिका की आतंकवाद सूची से हटाए गए हैं। कभी अलकायदा से जुड़े रहे शरा अब खुद को एक संयमित और व्यावहारिक नेता के रूप में पेश कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय संकट समूह के निदेशक माइकल हन्ना ने कहा शरा का यह दौरा उनके एक कट्टरपंथी से वैश्विक राजनेता बनने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। व्हाइट

हाउस पहुंचने से पहले शरा ने प्डथ् प्रमुख क्रिस्टालिना जॉर्जीवा से मुलाकात की, जिसमें युद्धग्रस्त सीरिया को आर्थिक मदद देने पर चर्चा हुई। इसके अलावा उन्होंने वाशिंगटन में सीरियाई संगठनों के प्रतिनिधियों से भी बातचीत की। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिका, सीरियाई राजधानी दमिश्क के पास एक सैन्य अड्डा बनाने की योजना बना रहा है। इस सैन्य अड्डे का मकसद मानवीय सहायता के काम में समन्वय बताया जा रहा है। अमेरिका के विदेश विभाग ने पुष्टि की है कि अहमद अल शरा को आतंकवादी सूची से हटा दिया गया है क्योंकि शरा ने सीरिया में लापता अमेरिकियों का पता लगाने और बचे हुए रसायनिक हथियारों को खत्म करने की सहमति दी है। इससे पहले संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने भी अहमद अल शरा पर लगे प्रतिबंधों को हटा लिया था, जिसके बाद शरा ने सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा को भी संबोधित किया। ऐसा करने वाले भी शरा पहले सीरियाई राष्ट्रपति हैं। सीरिया 13 साल के गृहयुद्ध से तबाह है। विश्व बैंक के अनुसार, देश के पुनर्निर्माण की लागत लगभग 216 अरब डॉलर है। शरा इस मुलाकात में अमेरिका से आर्थिक सहायता और अंतरराष्ट्रीय सहयोग की उम्मीद कर रहे हैं। सीरियाई आंतरिक मंत्रालय ने हाल ही में बताया कि देश में इस्लामिक स्टेट के बचे हुए गुटों के खिलाफ 61 छापेमारी की गईं और 71 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इससे पहले सितंबर में अहमद अल-शराआ ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में भाग लिया था, जहां वे दशकों में पहले सीरियाई राष्ट्रपति बने जिन्होंने न्यूयॉर्क में भाषण दिया। अहमद अल शरा के पूर्व के संगठन हयात तहरीर अल-शाम का खूंखार आतंकी संगठन अल-कायदा से जुड़ाव था। यही वजह थी कि अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने शरा का नाम आतंकवादी सूची में डाला हुआ था।

चुनाव से पहले भारत-नेपाल के बीच बातचीत, राजदूत श्रीवास्तव ने गृहमंत्री आर्यल से की मुलाकात

काठमांडू , (एजेंसी)। नेपाल में अगले साल मार्च में होने वाले आम चुनाव से पहले नेपाल की राजनीति में गर्माहट तेज हो गई है। हाल में हुए संघर्ष के बाद अंतरिम प्रधानमंत्री बनीं सुशीला कार्की समेत सभी छोटी-बड़ी राजनीतिक पार्टियों ने अपनी-अपनी तैयारी तेज कर दी है। इसी बीच इस चुनाव को लेकर रविवार को भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने नेपाल के गृहमंत्री ओम प्रकाश आर्यल से मुलाकात की। यह बैठक काठमांडू स्थित गृह मंत्रालय में हुई, जिसमें दोनों देशों के बीच शांति, सुरक्षा और सीमाई सहयोग

से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। बातचीत के बाद मिली जानकारी के अनुसार गृहमंत्री आर्यल ने राजदूत श्रीवास्तव को बताया कि सरकार की प्राथमिकता कानून-व्यवस्था बनाए रखना, भ्रष्टाचार खत्म करना और सुशासन सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि सरकार 5 मार्च 2026 को तय तारीख पर चुनाव शांतिपूर्ण और निष्पक्ष माहौल में कराने के लिए दिन-रात काम कर रही है। इस दौरान नेपाल के गृह मंत्री आर्यल ने इस चुनाव में भारत के भूमिका का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत की भूमिका सीमा सुरक्षा प्रबंधन में अहम है, खासकर चुनाव से पहले और उसके दौरान, क्योंकि भारत और नेपाल के बीच खुली सीमा है। ऐसे में नेपाली गृहमंत्री की बातों को सुनने के बाद भारतीय राजदूत श्रीवास्तव ने भी इसपर प्रतिक्रिया दी। श्रीवास्तव ने नेपाली गृहमंत्री से विश्वास जताया कि 5 मार्च 2026 को प्रतिनिधि सभा का चुनाव सफलतापूर्वक संपन्न होगा।

1971 के बाद पहली बार बांग्लादेश पहुंचा पाक युद्धपोत

ढाका, (एजेंसी)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने उस देश की सेना के लिए पलक-पावड़े बिछाने का काम किया है, जिसने मुक्ति संग्राम के दौरान लाखों बंगभाषियों को मौत के घाट उतार दिया था। हजारों मां-बहनों की अस्मिता को रौंद डाला था। 1971 के बाद पहली बार बांग्लादेश में पाकिस्तान की नौसेना के युद्धपोत का स्वागत किया गया है। स्थानीय लोगों का भी मानना है कि भारत विरोधी यूनुस अपनी इस हरकत के जरिये लाखों स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को जाया कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, 1971 के बाद पहली बार पाकिस्तानी नौसेना का युद्धपोत पीएनएस सैफ (एफएफजी-253) शनिवार को बांग्लादेश के चटगांव बंदरगाह पहुंचा है। यूनुस सरकार ने पाकिस्तानी युद्धपोत का बांग्लादेश में स्वागत किया। सद्भावना यात्रा के तहत यह पाकिस्तानी युद्धपोत चार दिनों तक बांग्लादेश में रहेगा। इसे दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने की पहल के रूप में देखा जा रहा है। बांग्लादेश की नौसेना के मुताबिक, पीएनएस सैफ की कमान कैप्टन शुजात अब्बास राजा के पास है। चटगांव पहुंचने से पहले बांग्लादेशी नौसेना के जहाज बीएनएस शाधीनोता ने समुद्र में ही पाकिस्तानी जहाज को औपचारिक सलामी दी और बंदरगाह तक एस्कॉर्ट किया। यात्रा के दौरान दोनों देशों की नौसेनाओं के अधिकारी आपसी मुलाकात करेंगे और सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करेंगे। पाकिस्तानी युद्धपोत की यह यात्रा 12 नवंबर को समाप्त होगी। लाखों बहादुर बंगभाषियों के बलिदान के बाद 1971 में बांग्लादेश को पाकिस्तान से आजादी मिली थी। मुक्ति संग्राम में भारत ने बांग्लादेश की मदद की थी। शेख हसीना सरकार के पतन के बाद पाकिस्तान उन शुरुआती देशों में था, जिसने यूनुस की अंतरिम सरकार का स्वागत किया था। इसके बाद से ढाका व इस्लामाबाद के रिश्ते लगातार बेहतर हो रहे हैं, जबकि भारत व बांग्लादेश के संबंधों में तनाव बढ़ा है। चीन से 15 साल पहले खरीदे गए पीएनएस सैफ का बेस इस्लामाबाद है। मीडिया रिपोर्ट

हसीना सरकार ने 2010 में मुक्ति संग्राम के दौरान नरसंहार में शामिल पाकिस्तानी सैनिकों के खिलाफ मुकदमा शुरू किया था। इसके बाद दोनों देशों के बीच तल्खी और बढ़ गई थी। 2024 में छात्र आंदोलन के दबाव में हसीना सरकार के अपदस्थ होने के बाद मोहम्मद युनूस को अंतरिम सरकार का प्रमुख चुना गया। इसके बाद पाकिस्तान के प्रति बांग्लादेश की नीतियों में बदलाव आया है। अगस्त 2024 में शेख के अनुसार, फिलहाल यह जहाज स्टेबलाइजर की परेशानी से जूझ रहा है। इसके कारण युद्धपोत अपने अभियान के दौरान संतुलन खो सकता है। चीन ने पाकिस्तान से इस श्रेणी के युद्धपोत के लिए छह हजार करोड़ से अधिक की धनराशि वसूली थी लेकिन अब पाकिस्तान को इसकी मरम्मत पर ही हर साल भारी भरकम रकम खर्च करनी पड़ रही है। इससे अगले युद्धपोत की संभावनाएं भी क्षीण हो गई हैं।

जो युद्ध ट्रंप नहीं जीत सकते

वॉशिंगटन, (एजेंसी)। अब जबकि सड़कें शांत हो गई हैं, श्नदी से समुद्र तक फलस्तीन स्वतंत्र होगाश का नारा थम गया है, और लंदन से पेरिस तक प्रतिस्पर्धी राजनेता को फलस्तीनी राज्य के लिए खड़े होने के साथ अपने घरेलू नेतृत्व को मजबूत करने का मौका नहीं दिया गया हैय युद्ध के मैदान से उभरने वाली तस्वीरें शून्य में ताकते भूख से तड़पते बच्चों की नहीं, बल्कि मुक्त हुए इस्त्राइली बंधक की है, जो घर लौट रहा हैय और यह कि पश्चिम एशिया में शांति वास्तव में गाजा के खंडहरों से शुरू हो सकती हैय मुझे इस तरह के लेख पढ़ना अच्छा लगता, भले ही कुछ संपादकीय पृष्ठों में इसे कम उत्साहवध्कि दिखाने के लिए चेतावनियां दी गई हों, या उदारवादियों के खेमे में इसी तरह की बातें सुनी जा रही हों। डोनाल्ड ट्रंप चार वर्षों की सीमित अवधि में अधिक से अधिक सौदे करने की जल्दी में हैं, मानो उनकी प्रसिद्ध व्यावसायिक ताकत भू-राजनीति की पारंपरिक बाधाओं को पार कर सकती है और अपनी श्भयानकश कल्पना के आधार पर वह इतिहास को नया रूप दे सकते हैं। और उन्हें उम्मीद थी कि नॉर्वे की नोबेल समिति दुश्मनों को शांति वार्ता की मेज पर लाने और गुप्त परमाणु हथियार रखने वालों को निरस्त्र करने में उनके योगदान को नजरअंदाज नहीं करेगी। कश्मीर के पहलगाम में हुए नरसंहार के बाद पाकिस्तान के खिलाफ जवाबी कार्रवाई बंद करने का श्रेय लेने पर भारत ने उन्हें वास्तव में झिड़क दिया था, लेकिन उसके बावजूद वह भारतीय प्रधानमंत्री को अपना अच्छा मित्र कहने से नहीं चूके। उन्हें इस बात से चिढ़ हुई होगी कि नई दिल्ली की सराहना से नोबेल के लिए उनके अभियान को बल मिलेगा। और फिर नोबेल समिति ने इसे गाजा समझौते की पूर्व संध्या पर वेनेजुएला में ट्रंप-समर्थक योद्धा को दे दिया, जो छिपकर मादुरो तानाशाही के खिलाफ लड़ रही थी, और जिसने पुरस्कार जीतने पर ट्रंप से कथित तौर पर यह कहकर श्अच्छा कामश किया कि श्मैं इसे आपके सम्मान में इसे स्वीकार कर रही हूं, क्योंकि आप वास्तव में इसके हकदार थे। यह उनके रिसते हुए अहंकार पर मिर्ची छिड़कने जैसा थाः शुक्रिया, मुझे याद दिलाने के लिए कि मुझे लगातार वह नहीं मिल रहा, जिसका मैं हकदार हूं, और क्या मुझे एक ऐसी दुनिया चलाने के लिए अभिशप्त किया गया है, जिसने कुछ समय पहले ही मेरे एक पूर्ववर्ती को

जॉर्ज डब्ल्यू बुश न होने के बावजूद पुरस्कार जीतते देखा था। बहरहाल शिकायती राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अगले बारह महीनों तक अपने जख्म सहलाने दीजिए, जब तक फिर से नॉर्वे की नोबेल समिति का फैसला न आ जाए। वैसे भी, अभी यूक्रेन बचा हुआ है। लेकिन हम उन्हें इसलिए खारिज नहीं कर सकते, क्योंकि वह उस दुनिया से संबंधित नहीं हैं, जिसे महानता के मोह से ग्रस्त लोगों ने हमसे छीन लिया है। इस व्यक्ति की शैली को, उसकी उपलब्धि के सार को स्वीकार करने में हमें अपनी दृष्टि को धुंधला नहीं करना चाहिए, चाहे उस ताकतवर व्यक्ति को कितना भी दबाव क्यों न बनाना पड़ा हो। उनकी 20 सूत्री योजना, जिसकी देखरेख स्वयं शांतिदूत की अध्यक्षता वाले बोर्ड द्वारा की जाएगी, ने पहले ही काम करना शुरू कर दिया है, बंधक घर लौट रहे हैं और इस्त्राइली सैनिक वापस जा रहे हैं। योजना के सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में हमास को गाजा के राजनीतिक और प्रशासनिक भविष्य से बाहर रखना और एक नवीनीकृत फलस्तीनी प्राधिकरण को सत्ता में वापस लाना शामिल है, जो उतना ही बदनाम है, जितना कि हमास बर्बर है। विवादित इतिहास और मृत्यु के पंथ में डूबे इस क्षेत्र के लिए एक बड़ी छलांग है।

देश की उपासना
(हिन्दी साप्ताहिक)

स्वात्वाधिकारी की ओर से मेसर्स प्रभु दयाल प्रकाशन के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक पी.सी. श्रीवास्तव द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर (उ० प्र०) से मुद्रित तथा ई-3464, राजाजीपुरम (मिनी स्टेडियम के पास) लखनऊ (उ0प्र0) से प्रकाशित।

सम्पादक
पी.सी. श्रीवास्तव
मो. 7007415808
9415034002

समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने स्रोत एवं संकलन है। जिसमें सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

नोट : उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयं सेवी है। तथा समाचार से सम्बन्धित सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।

खबरों के लिए ई-मेल का प्रयोग करें-
deshkiupasanadailynews@gmail.com
dkunews01@gmail.com

पंजीकृत कार्यालय-उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर (उ0प्र0) 7007415808 / 9415034002